04 - इसलिए जरूरी है 'एक देश, एक चुनाव' का विचार

05 - नवरात्रि का संदेशः नारी सशक्तीकरण

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 03 अक्टूबर, 2024

06 - डेढ़ लाख की डकैती का पुलिस ने किया खुलासा, दस आरोपियों को...

07- वार्ड नंबर 22, 23 में मचा पानी के लिए हाहाकार..

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 337, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मौन भी बोलने का एक ढंग है
खामोशी में खुलती है
भीतर एक किताब.!
संगीत है एक लंबी चुप्पी
नदी का मध्यांतर
मंथर..!
निशा की स्तब्धता
दिन की उजास
शाम के ढलने की गूंज
क्षण..क्षण..!
एक मौन में
प्रवाहित होता है
अस्तित्व
ऐसे भी कहीं..!

– सारंग उपाध्याय

प्रसंगवश

संरा सुरक्षा परिषद में सुधारों का समयबद्ध कार्यक्रम वक्त की मांग

मनोज नरवणे

इस महीने आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 79वें अधिवेशन में दुनियाभर के मसलों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई. पिछले साल की तरह इस बार भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में किए जाने वाले बहुचर्चित सुधारों पर काफी ज़ोर दिया गया. 'भविष्य के लिए शिखर सम्मेलन' बताए जा रहे इस अधिवेशन में दुनिया भर के नेताओं को जलवायु परिवर्तन से लेकर यूक्रेन और गाज़ा में जारी लड़ाइयों जैसी तात्कालिक चुनौतियों पर विचार किया. इस अधिवेशन ने इन चुनौतियों का प्रभावी मुकाबला करने के लिए अधिक समावेशी बहुपक्षीय व्यवस्था बनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

यूएनजीए-2024 का यह अधिवेशन अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए एक निर्णायक मौका रहा क्योंकि, इसने जटिल भू-राजनीतिक परिदृश्य में से रास्ता बनाने की कोशिश की। चर्चाओं में भविष्य के लिए उम्मीद और तत्परता दिखी और नेताओं ने वैश्विक चुनौतियों से निबटने के लिए सामूहिक कार्रवाई करने पर ज़ोर दिया।

'भविष्य के लिए शिखर सम्मेलन' का विचार संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की देन है। अपनी एक विरासत छोड़ जाने के इच्छुक गुटेरेस ने इसे 'कई पीढ़ियों के बाद उभरा एक ऐसा मौका' बताया जब 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए न केवल संयुक्त राष्ट्र बल्कि विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को भी सुधारा जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र की सभी संस्थाओं में से जिस संस्था को सबसे ज्यादा सुधार की ज़रूरत है वह है सुरक्षा परिषद। पिछले 70 साल में इसने कुछ उल्लेखनीय सफलताएं तो हासिल की, लेकिन इसका कुल रिकॉर्ड सिफर के बराबर रहा है। सुरक्षा के लिए जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, महामारी जैसे गैर-पारंपरिक खतरों का जवाब देने में वह मुश्किलों का सामना करती रही है। इन समस्याओं के लिए ऐसी सहकारी रणनीतियों की ज़रूरत है जो देशों की सीमाओं में नहीं बंधतीं, लेकिन सुरक्षा परिषद देश-केंद्रित सैन्य संघर्षों पर अटकी रहती है। यह संकीर्ण दृष्टिकोण अस्थिरता के मूल कारणों का प्रभावी निबटारा करने की उसकी क्षमता को बाधित करता है।

इसके अलावा, दुनिया में सबसे लंबे समय से जारी संघर्षों का समाधान करने की उसकी अक्षमता एक मध्यस्थ के तौर पर उसकी वैधता और प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती है। ऐसे लंबे संघर्षों में इज़रायल-फलस्तीन संघर्ष का नाम लिया जा सकता है, जिसके खिलाफ कई प्रस्ताव तो पास किए गए, लेकिन स्थायी शांति नहीं कायम हो पाई।

सुरक्षा परिषद की विफलताओं का मूल कारण इसके पांच स्थायी सदस्यों (पी-5) की बेहिसाब ताकत और उनका 'वीटो पावर' (किसी भी प्रस्ताव को खारिज करने का अधिकार) है। दुनिया जबकि लोकतंत्र की दुहाई दे रही है, सुरक्षा परिषद मूलतः सबसे आलोकतांत्रिक संस्था नज़र आती है।

इसलिए उसमें सुधार की मांग हर बीतते साल के साथ तेज़ होती जा रही है और कई देश इसे अधिक समावेशी तथा प्रातिनिधिक संस्था बनाने की मांग कर रहे हैं। सुधारों को लेकर जारी बहस के प्रमुख मसले ये हैं – सुरक्षा परिषद में ज्यादा सदस्य शामिल किए जाएं, स्थायी सदस्यों की संख्या भी बढ़ाई जाए और वीटो पावर को सीमित किया जाए या खत्म ही कर दिया जाए क्योंकि यह स्वाभाविक न्याय के खिलाफ है। लेकिन यह बहस एक दशक से ज्यादा समय से चल रही और इस पर कोई वास्तविक प्रगति नहीं हुई है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि 'पी-5' गुट इस मामले पर सिर्फ ज़बानी पहल ही करता रहा है।

सदस्यता का विस्तार- सुरक्षा परिषद की सदस्यता के विस्तार करके उसमें स्थायी और अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को सबसे ज्यादा समर्थन हासिल है। इससे मौजूदा वैश्विक सत्ता समीकरण का इस संस्था में बेहतर प्रतिनिधित्व होगा और विभिन्न क्षेत्रों और देशों को भी समान प्रतिनिधित्व मिलेगा।

नए देशों को स्थायी सदस्यता- 'जी-4' देश भारत, ब्राज़ील, जर्मनी और जापान स्थायी सदस्यता के लंबे समय से मजबूत दावेदार बने हुए हैं। इनका कहना है कि उनका आर्थिक एवं राजनीतिक प्रभाव और विश्व शांति एवं सुरक्षा में उनके योगदान उन्हें परिषद में स्थायी सदस्यता का हकदार बनाते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अमन बहाली कदमों में भारत का जो मजबूत योगदान रहा है वह उसे इस ऊंची मेज पर बैठने की स्वाभाविक पसंद बनाता है।

वीटो पावर की सीमा- सुधारों पर बहस का एक और अहम पहलू है – पांच स्थायी सदस्य देशों के वीटो पावर को सीमित या रद्द करना। इस अधिकार का अक्सर मनमाना इस्तेमाल किया गया है और अहम प्रस्तावों को रोकने और वैश्विक संकट के मामले में पहल करने की परिषद की क्षमताओं को कमजोर करने के लिए वैश्विक हितों की जगह संकीर्ण घरेलू पहलुओं को तरजीह दी जाती रही है। इस अधिकार को रद्द करने से परिषद अधिक लोकतांत्रिक तो बनेगा ही, स्थायी सदस्यता का कहत्व और उसके लिए मारामारी कम होगी।

क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व- क्षेत्रों का, खासकर अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और मध्य-पूर्व का प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया जा रहा है। इससे परिषद विभिन्न क्षेत्रों के दृष्टिकोणों तथा हितों का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। महादेशों में सबसे बड़ा, अफ्रीका सबसे ज्यादा संघर्षों से भी त्रस्त रहा है, जहां संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप की सबसे ज्यादा ज़रूरत है, लेकिन उसे कोई प्रतिनिधित्व नहीं हासिल है।

सुरक्षा परिषद में सुधारों की मांग को व्यापक समर्थन तो हासिल है लेकिन कई चुनौतियां जस की तस हैं। प्रमुख बाधा यह है कि संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में कोई भी संशोधन महासभा के दो तिहाई सदस्यों और सभी पांच स्थायी सदस्यों की मंजूरी के बाद ही हो सकता है। इसका अर्थ यह हुआ कि वीटो पावर को सीमित या रद्द करने की मंजूरी उन्हीं देशों से लेनी पड़ेगी, जिन्हें यह अधिकार हासिल है।

इसके अलावा, सदस्य देश सुधारों के ब्योरे से अलग मत रखते हैं। कुछ देश परिषद के पूरे ढांचे को ही बदलने की बात कर रहे हैं। कुछ देश चरणबद्ध सुधार के पक्ष में हैं, जैसे स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए मगर वीटो पावर को कायम रखा जाए। 'पी-5' वाले देश इसके पक्ष में हो सकते हैं। इस तरह के अलग-अलग दृष्टिकोण एक आम सहमति पर पहुंचने और आगे कदम बढ़ाने में बाधक बनते हैं। जो भी हो, देशों का ख्याल किए बिना सुधारों के व्यापक आयामों को उजागर करते एक प्रस्ताव को तो आमसभा में पेश किया ही जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों का मसला चुनौतियों से भरा है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र महासभा 2024 में हुई चर्चाओं ने उनकी तात्कालिकता और महत्व को उजागर किया है। वक्त की मांग यह है कि सिर्फ विचार-विमर्श से आगे बढ़कर सुरक्षा परिषद में उन सुधारों को तय करने और लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बनाया जाए जो अरसे से अटके हुए हैं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

आदिवासियों को साधने की कोशिश, 83 हजार करोड़ की सौगात

● चुनाव से पहले झारखंड में प्रधानमंत्री मोदी ने किया मेगा धमाका ● 65 हजार आदिवासी बहुल गांवों के विकास लिए नया अभियान

हजारीबाग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के मोके पर 83 हजार करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का उद्घाटन किया और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने हजारीबाग के विनोबा भावे यूनिवर्सिटी परिसर से जनजातीय कल्याण और विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के तहत कई कल्याणकारी योजनाओं का बटन दबाकर उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-इसका लाभ देश के 5 करोड़ से ज्यादा आदिवासी भाई-बहनों को मिलेगा। झारखंड के आदिवासी समाज को भी इसका बहुत बड़ा फायदा होगा।

देश के 5 करोड़ से ज्यादा आदिवासी समाज को मिलेगा फायदा

मुझे खुशी है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा की धरती से हो रही है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती के दिन यहां झारखंड से ही पीएम-जनमन योजना भी लॉन्च हुई थी। अगले महीने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर हम पीएम-जनमन योजना की पहली वर्षगांठ मनाएंगे। इस योजना के जरिए आज देश के उन आदिवासी इलाकों में भी विकास पहुंच रहा है, जो सबसे पीछे छूट गए थे। आज यहां पीएम-जनमन योजना के तहत भी करीब साढ़े 1,300 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-आज पूज्य बापू की जन्म जयंती है। आदिवासी विकास के लिए उनका विजन, उनके विचार हमारी पूंजी है। गांधी जी का मानना था कि भारत का विकास तभी हो सकता है, जब जनजातीय समाज का तेज विकास हो। पीएम मोदी ने कहा-अभी मैंने यहां धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस योजना पर करीब 80 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत करीब 550 जिलों में 65,000 आदिवासी बहुल गांवों का विकास करने का अभियान चलाया जाएगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- आज मुझे एक बार फिर झारखंड की विकास यात्रा में सहभागी बनने का सौभाग्य मिल रहा है। कुछ ही दिन पहले मैं जमशेदपुर आया था। जमशेदपुर से मैंने झारखंड के लिए सैकड़ों करोड़ की परियोजनाएं शुरू की थी।

अब मणिपुर के उखरुल में हिंसा, 3 लोगों की मौत

10 से ज्यादा घायल, जमीन विवाद में दो पक्षों में फायरिंग, चुराचांदपुर में उग्रवादी की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में बुधवार को नगा समुदाय के दो पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। 10 से ज्यादा घायल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 163, 2023 की उप-धारा 1 के तहत इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अगले आदेश तक लोगों के घरों से निकलने पर रोक है। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्ष नगा समुदाय के हैं, लेकिन हुनफुन और हंगपुंग नाम के दो अलग-अलग गांव हैं। दोनों पक्ष एक जमीन पर अपना दावा करते हैं। स्वच्छता अभियान के तहत विवादित जमीन की सफाई को लेकर दोनों पक्षों के बीच हिंसा हुई। इलाके में असम राइफल्स को तैनात किया गया है। चुराचांदपुर में उग्रवादी की गोली मारकर हत्या दूसरी तरफ, चुराचांदपुर जिले के लीशांग गांव के पास मंगलवार को अज्ञात लोगों ने एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के टाउन कमांडर की गोली मारकर हत्या कर दी।

पीएम मोदी के वर्चुअल संबोधन के साथ आरंभ हुआ स्वच्छता दिवस समारोह

भोपाल में प्रवेश मार्गों पर बनेंगे भगवान राम-कृष्ण के द्वार: सीएम यादव

● मुख्यमंत्री ने कहा- सेना के जवान के बराबर सफाई कर्मी का भी सम्मान, वे सेवा में जुटे रहते हैं ● स्वच्छ भारत मिशन और अमृत योजना में 685 करोड़ की परियोजनाओं का हुआ भूमि-पूजन और लोकार्पण ● नमो-उपवन को राज्य शासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जायेगी ● हमें स्वस्थ बनाए रखने के लिए स्वच्छता कर्मी प्राण-प्रण से हैं समर्पित

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में स्वच्छ भारत दिवस-2024 के अवसर पर नई दिल्ली में हुए कार्यक्रम के क्रम में भोपाल में आयोजित स्वच्छता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के इतिहास से जुड़ी महान विभूतियों के नाम पर भोपाल के मार्गों पर द्वार स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति से जुड़े महापुरुषों भगवान राम, राजा भोज, राजा विक्रमादित्य, सम्राट अशोक आदि के नाम पर इन द्वारों का नामकरण किया जाएगा। भोपाल नगर निगम द्वारा विकसित किए जा रहे नमो-उपवन को राज्य शासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में स्वच्छता पखवाड़े के समापन कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन और अमृत योजना के अंतर्गत 250 करोड़ रुपये की लागत की 19 परियोजनाओं का भूमि-पूजन और भोपाल नगर निगम के उपकरणों तथा विभिन्न विकास कार्यों को लोकार्पण किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म-दिवस 17 सितम्बर से महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक स्वच्छता सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

कर्तव्य पालन के दौरान दिवंगत 26 कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के प्रमाण पत्र वितरित-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा स्वच्छ भारत मिशन और अमृत योजना अंतर्गत प्रदेश के लिए 435 करोड़ रूपए की लोक-कल्याणकारी परियोजनाओं के भूमि-पूजन और लोकार्पण के लिए उनका आभार माना। इस अवसर पर आदर्श गौ-शाला ग्वालियर के 100 टन क्षमता बॉयो सीएनजी प्लांट का भी वर्चुअल शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिक व संस्थाओं को सम्मानित किया। स्वच्छता सर्वेक्षण-2022 में नगर निगम उज्जैन को थ्री-स्टार रेटिंग मिलने पर उज्जैन के 2 हजार 115 सफाई मित्रों को प्रोत्साहन स्वरूप 3-3 हजार रुपये की राशि प्रदान करने के लिए 63 लाख 45 हजार रुपये की राशि सिंगल क्लिक से नगर निगम उज्जैन को अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के स्वच्छता मित्रों से वर्चुअली आत्मीय संवाद किया तथा कार्य के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगर निगम शासकीय सेवा में कर्तव्य पालन के दौरान दिवंगत 26 कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के प्रमाण पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल नगर निगम के 125 नए डोर-टू-डोर सीएनजी वाहनों, 6 नए हुक लोडर, दो श्रेडर मशीन तथा एक लिटर पिकिंग मशीन का अवलोकन किया।

जगदम्बा की 'साधना' में लीन होंगे भक्त, नवरात्रि आज से

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज 3 अक्टूबर, गुरुवार से नवरात्रि शुरू हो रही है। इस बार अंग्रेजी तारीखों और तिथियों का तालमेल गड़बड़ होने से अष्टमी और महानवमी की पूजा 11 तारीख को होगी। 12 अक्टूबर, शनिवार को दशहरा मनेगा। जिससे देवी पूजा के लिए पूरे नौ दिन मिलेंगे। नवरात्रि के पहले दिन घट (कलश) स्थापना की जाती है। इसे माता की चौकी बैठाना भी कहा जाता है। इसके लिए दिनभर में दो ही मुहूर्त रहेंगे। देवी पूजा का ये पर्व 11 अक्टूबर तक चलेगा। 11 तारीख को तिथियों की घट-बढ़ की वजह से दुर्गा अष्टमी और दुर्गा नवमी एक ही दिन मनाई जाएगी। नवरात्रि में किए गए व्रत-उपवास से धर्म लाभ के साथ ही स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, नवरात्रि के नौ दिनों में देवी मां के नौ स्वरूपों की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। नवरात्रि के पहले दिन देवी शैलपुत्री, दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन चंद्रघंटा, चौथे दिन कुष्मांडा, पांचवें दिन स्कंदमाता, छठे दिन कात्यायनी, सातवें दिन कालरात्रि, आठवें दिन महागौरी और नौवें दिन सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। एक साल में कुल चार बार नवरात्रि आती है। पहली चैत्र मास में, दूसरी आषाढ़ में, तीसरी आश्विन में और चौथी माघ मास में। चैत्र और आश्विन मास की नवरात्रियां सामान्य होती हैं। इन नवरात्रियों में देवी की सरल तरीकों से पूजा की जाती है। आषाढ़ और माघ मास में गुप्त नवरात्रि कही जाती है। इन महीनों में देवी की दस महाविद्याओं के लिए गुप्त साधानाएं की जाती हैं। ये तंत्र-मंत्र से जुड़े लोगों के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है।

कलश स्थापना के लिए दिनभर में दो मुहूर्त, 12 को दशहरा

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 03 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

प्रथम मां शैलपुत्री

नवरात्रि उत्सव के दौरान मां दुर्गा के नौ विभिन्न रूपों का सम्मान एवं पूजा की जाती है। जिसे नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है। माँ दुर्गा का पहला ईश्वरीय स्वरूप शैलपुत्री है। शैल का अर्थ है शिखर शास्त्रों में शैलपुत्री को पर्वत (शिखर) की बेटी के नाम से जाना जाता है।

आरबीआई की मीटिंग से पहले मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में हुआ बड़ा बदलाव

सरकार ने 3 नए सदस्यों की नियुक्ति की,7-9 अक्टूबर को होगी मीटिंग

मुंबई (एजेंसी)। सरकार ने मंगलवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी), में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार सहित तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की है। एमपीसी में 6 सदस्य हैं, जिनमें से तीन केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास, डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव रंज हैं। जबकि, तीन बाहरी सदस्यों की नियुक्ति चार साल के लिए केंद्र सरकार करती है। अभी एमपीसी के बाहरी सदस्यों में प्रोफेसर आशिमा गोयल, प्रोफेसर जयंत वर्मा और नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार शशांक भिडे हैं। इनका कार्यकाल इसी हफ्ते खत्म हो रहा है। राम सिंह दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर हैं, डॉ. नागेश कुमार इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव हैं। सौगत भट्टाचार्य अर्थशास्त्री हैं। आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग 7-9 अक्टूबर को होगी। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली इस मीटिंग में ब्याज दर पर फैसला लिया जाएगा। पिछली मीटिंग अगस्त को हुई थी, जिसमें कमेटी ने लगातार 9वीं बार दरों में बदलाव नहीं किया था। अक्टूबर में होने वाली मीटिंग में भी ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद नहीं है। मीटिंग के फैसलों की जानकारी आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास 9 अक्टूबर को देंगे। ये मीटिंग हर दो महीने में होती है। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25 फीसदी बढ़ाई थी।

दिल्ली में 2 हजार करोड़ की 560 केजी कोकीन पकड़ी

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर गैंग से जुड़े हैं तार,4 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने त्योहारों से पहले राजधानी में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए कोकीन की बड़ी खेप बरामद की है। पकड़ी गई इस कोकीन की मात्रा 560 किलोग्राम से ज्यादा है। इसके साथ ही पुलिस ने इस गिरोह के 4 लोगों को भी गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस कोकीन की कीमत 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। पुलिस अब इस मामले में नार्को-टेरर एंगल की भी जांच की जा रही है।पुलिस के अनुसार, कोकीन की इस बड़ी खेप के पीछे एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर गिरोह का हाथ है। भारी मात्रा में कोकीन की बरामदगी स्पेशल सेल के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी में ड्रग तस्करी रैकेट का यह ताजा भंडाफोड़ रविवार को दिल्ली के तिलक नगर इलाके में दो अफगानी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद हुआ है, जिनके पास से 400 ग्राम हेरोइन और 160 ग्राम

कोकीन बरामद की गई थी। उसी दिन कस्टम विभाग ने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक विदेश यात्री से 24 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 1,660 ग्राम कोकीन जब्त की थी।

पीके ने लॉन्च की अपनी पार्टी

जय बिहार का नारा लगवाया

- बोले-गूंज वहां तक जानी चाहिए जहां हमारे बच्चों को पीटा गया

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की एंट्री हो चुकी है। बुधवार को पटना के वेटरनरी ग्राउंड में प्रशांत किशोर ने अपनी पार्टी लॉन्च की। इस दौरान उन्होंने जय बिहार का नारा लगवाते हुए कहा कि आप सभी को 'जय बिहार' इतनी

जोर से बोलना है कि कोई आपको और आपके बच्चों को बिहारी न कहे और यह एक गाली जैसा ना लगे। आपकी आवाज दिल्ली और बंगाल तक पहुंचनी चाहिए, जहां बिहार के छात्र हैं। इसे तमिलनाडु और बंबई तक पहुंचना चाहिए, जहां भी बिहारी बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें पीटा गया। बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की एंट्री होने जा रही है।

पितृ मोक्ष-भूतड़ी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने शिप्रा और नर्मदा में किया स्नान, घाटों पर रातभर झूमते रहे

नर्मदापुरम/उज्जैन (नप्र)। आज सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या है। इसे भूतड़ी अमावस्या भी कहते हैं। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम, हरदा, जबलपुर, डिंडौरी समेत अन्य जिलों में नर्मदा घाटों और उज्जैन में शिप्रा नदी में स्नान के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से कष्ट और भूत-प्रेत की बाधा दूर होती है। पितरों के निमित्त तर्पण करने से भी सुख, शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

नर्मदापुरम- सेठानी घाट पर हुआ रात्रि जागरण, सुबह स्नान- नर्मदापुरम के सेठानी घाट पर श्रद्धालुओं ने रात्रि जागरण किया। इस दौरान भजन-कीर्तन चलता रहा। अमावस्या से एक दिन पहले शाम को सेठानी घाट पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। रातभर भजन-कीर्तन चलता रहा। श्रद्धालुओं ने रात्रि जागरण किया। कथित प्रेतबाधा दूर कराने व देवी-देवता को मनाने के लिए पडिहारों (तांत्रिक, ओझा) ने धाम लगाए। दैनिक भास्कर रिपोर्टर ने सेठानी घाट पर तीन घंटे बिताए।

स्नान के बाद दान करते हैं श्रद्धालु- भोपाल से आए श्रद्धालु बलराम मालवीय और विष्णु मालवीय का कहना है कि हर साल चतुर्दशी की रात यहां आते हैं। भूतड़ी अमावस्या विशेष रूप से अतृप्त आत्माओं की तृप्ति के लिए होती है। श्रद्धालु नदी में स्नान के बाद दान करते हैं। श्रद्धालुओं के लिए घाट पर व्यवस्था नहीं की गई है। यहां आवारा मवेशी भी घूमते नजर आए। बुधवार सुबह करीब 11 बजे तक 40 हजार श्रद्धालु स्नान कर चुके थे।

घाटों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था- नर्मदा के सेठानी, पर्यटन, कोरी घाट, विवेकानंद घाट, बांद्राभान समेत सभी घाटों पर 150 से अधिक राजस्व, पुलिस और होमगार्ड के जवानों की तैनाती रात 3 बजे से थी। एसडीओपी पराग सैनी ने बताया कि रात 3 बजे से पुलिस व होमगार्ड जवान तैनात हो गए थे। यहां नर्मदापुरम के अलावा, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा, नागपुर, देवास, शाजापुर, विदिशा, महू, भोपाल समेत कई शहरों से श्रद्धालु पहुंचे।

उज्जैन- 52 कुंड में श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी- उज्जैन में शिप्रा नदी के घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान किया। उज्जैन में केडी पैलेस, शिप्रा नदी का रामघाट और सिद्धवट समेत गया कोठा तीर्थ पर श्रद्धालु तर्पण श्राद्ध कर्म करने पहुंचे। सबसे ज्यादा भीड़ केडी पैलेस पर रही। यहां बुरी आत्माओं से छुटकारा पाने के लिए श्रद्धालु शिप्रा नदी में डुबकी लगाते दिखे।

शिप्रा नदी पर बने 52 कुंड में बुरी आत्माओं से मुक्ति पाने के लिए लोग डुबकी लगाने पहुंचे। पंडित सूर्यनारायण शर्मा ने बताया कि जिन लोगों ने श्राद्ध पक्ष में पूजन पाठ नहीं किया हो, वो जातक सर्व पितृ अमावस्या पर एक साथ तर्पण कर सकते हैं। स्कंद पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है। सूर्य कुंड, ब्रह्म कुंड और सूर्य मंदिर यहां स्थापित है। सिद्धवट घाट और गया कोठा में श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

नेमावर नर्मदा घाट श्रद्धालुओं की थी भीड़- नेमावर में भी नर्मदा के घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान किया। नेमावर में नर्मदा नदी के घाटों पर श्रद्धालु डुबकी लगाने पहुंचे थे। मंगलवार शाम से लगातार श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी था। रातभर श्रद्धालुओं ने नर्मदा घाटों, मंदिर परिसर और धर्मशालाओं में भजन-कीर्तन किए। रातभर ढोलक की थाप, झांझ-मंजीरों के साथ टोलियों में भजन चलता रहा और पडिहार-महिलाएं झूमते रहे।

शास्त्रों के अनुसार- 60 से 200 साल होती है प्रेत योनि की उम्र

भूत-प्रेतों के लिए एक तिथि भूतड़ी अमावस्या तय की गई है। अमावस्या की रात सबसे ज्यादा अंधकार वाली रात मानी गई है। खंडवा के पंडित गणेश मार्कंडेय कहते हैं कि शास्त्र अनुसार 84 लाख योनि में एक प्रेत योनि भी होती है। इसमें अकाल मौत और जीवनभर पाप करने वाले को प्रेत योनि मिलती है। इनकी उम्र 60 से 200 साल तक के बीच होती है। पंडित अंकित मार्कंडेय ने बताया कि नकारात्मक ऊर्जा अमावस्या की रात में अत्यधिक उग्र हो जाती हैं। वो कहीं ऐसे शरीर को ढूंढती हैं जो धर्म, कर्म, दान, पुण्य, नर्मदा-गंगा स्नान नहीं करता है। उनमें नकारात्मक रूप से प्रवेश करती हैं, इसीलिए धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि भूतड़ी अमावस्या पर नर्मदा, गंगा और पवित्र नदियों में स्नान करने का महत्व है। पंडित गणेश मार्कंडेय बताते हैं कि शास्त्रों के अनुसार भूतों का निवास अंधकार में माना गया है। उनका मानव जीवन में दखल नहीं के समान है। फिर भी कभी कोई भूत के रास्ते में आता है, तो वह इंसान हिल जाता है, लेकिन लंबे समय तक ऐसा नहीं होता। बस, उस व्यक्ति को अनुभव हो जाता है कि वह किसी असामान्य वायु के संपर्क में आया था। यह अनुभव काफी डराने वाला होता है, लेकिन कम लोगों के साथ ऐसा होता है। यदि कोई भूत-प्रेत की योनि में है, तो उसके वंशज यदि उसके लिए पिंडदान करते हैं और गयाजी जाकर पिंडदान करते हैं, तो उन्हें प्रेत योनि से छुटकारा मिल जाता है।

ईरानी हमले का बदला लेगा इजराइल, निशाने पर तेल भंडार

लेबनान में भी दूसरी बटालियन भेजी,भारत बोला-नागरिक ईरान ना जाएं

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान ने इजराइल पर मंगलवार रात 180 बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि हमला मोसाद हेडक्वार्टर, नेवातिम एयरबेस और तेल नोफ एयरबेस को निशाना बनाकर किया गया था। ईरान की ज्यादातर मिसाइलों को इजराइल के डिफेंस सिस्टम ने नष्ट कर दिया। आईडीएफ के मुताबिक हमले में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है। अमेरिकी मीडिया हाउस एक्सियोस ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि ईरान के हमलों का बदला लेने के लिए इजराइल उसके तेल भंडारों पर हमला कर सकता है। एक्सियोस ने इजराइली अधिकारियों के हवाले से इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल अगले कुछ दिन के अंदर ईरान पर अटैक कर सकता है। ईरान के हमले के बावजूद इजराइल ने लेबनान में ग्राउंड ऑपरेशन जारी रखा है। बुधवार को इजराइली सेना ने लेबनान में अपनी दूसरी टुकड़ी भेजी। आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान में 25 गांवों के लोगों को इलाका खाली करने को कहा है। वहीं ईरान और इजराइल में जारी टकराव के बीच भारत ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय ने सभी भारतीयों से बिना जरूरत ईरान न जाने को कहा है। इसके अलावा वहां रह रहे भारतीयों से भी सतर्क रहने को कहा है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच चीन ने लेबनान से 200 से ज्यादा नागरिकों को निकाल लिया है। साउथ कोरिया ने भी अपने नागरिकों को अलर्ट किया है।

चिप वाले आइटमों में साजिश का डर ! लग सकती है रोक

- इजरायल के पेजर विस्फोट के बाद चीन से अलर्ट हमारी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल की नई तरीके की युद्ध रणनीति ने पूरी दुनिया को ही हैरान कर दिया है। यही नहीं साइबर और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर का खौफ भी बढ़ रहा है। खुद भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इसे इजरायल का मास्टर स्ट्रोक बताया तो वहीं ऐसे वारफेयर से सावधानी की जरूरत भी बताई। इसे लेकर भारत सरकार भी सतर्क है। चीन से सीसीटीवी कैमरों की खरीद पर रोक के साथ ही अब स्मार्ट मीटर,ड्रोन पार्ट्स के अलावा लैपटॉप और कंप्यूटरों की खरीद को नियंत्रित किया जा सकता है।

अब चेन्नई के आसमान में गरजेंगे राफेल और सुखोई

वायुसेना के भव्य एयर शो में दिखेगा रोमांचक नजारा

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई का मरीना बीच 6 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना के इतिहास में एक विशेष दिन के रूप में दर्ज होने जा रहा है। इस दिन राफेल, सुखोई और मिकोयान जैसे लड़ाकू विमानों का अद्भुत प्रदर्शन शहर के आसमान में देखने को मिलेगा। यह एयर शो भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की 92वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर वायुसेना के अद्वितीय विमान और पायलटों की क्षमताओं का प्रदर्शन होगा, जो जनता के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित होगा। तांबरम एयरफोर्स स्टेशन के प्रभारी एयर कमोडोर रथिश कुमार ने इंडिया टुडे से बात करते हुए बताया,2021 तक यह कार्यक्रम दिल्ली के पालम और हिंडन एयरबेस के बीच आयोजित होता था। 2022 में इसे चंडीगढ़ और 2023 में प्रयागराज में आयोजित किया गया था। अब हमें गर्व है कि भारतीय वायुसेना ने चेन्नई और तमबारम को इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए चुना है। 6 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक मरीना बीच पर भव्य फ्लाईपास्ट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें करीब 15 लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है।

56 साल बाद सहारनपुर पहुंचा आर्मी जवान का पार्थिव शरीर

- माता-पिता,पत्नी और बेटे की हो चुकी है मौत,1968 में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश हुआ था

सहारनपुर (एजेंसी)। भारतीय सेना को हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रे पर 30 सितंबर को 4 भारतीय जवानों के शव मिले। इनमें एक शव मलखान सिंह का है। मलखान सिंह सहारनपुर से 30 किलोमीटर दूर फतेहपुर गांव के रहने वाले थे। वह 56 साल पहले 7 फरवरी, 1968 को लापता हो गए थे। उनके माता-पिता और पत्नी-बेटे की मौत हो चुकी है। परिवार में अब सिर्फ पोते-पोती हैं। इस बीच, वायु सेना के जवान बुधवार को मलखान सिंह का पार्थिव शरीर लेकर आए। आसपास के कई गांवों के करीब एक हजार लोग अंतिम दर्शन करने पहुंचे। मलखान सिंह अमर रहें...भारत माता की जय के नारे लग रहे हैं। देशभक्ति के गीतों से माहौल गमगीन है। देश का सबसे लंबा रेस्क्यू ऑपरेशन हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रे पर 56 साल बाद 30 सितंबर को 4 भारतीय जवानों के शव मिले थे। भारतीय सेना के डोगरा स्काउट्स और तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू की एक जॉइंट टीम ने शव बरामद किए। दरअसल, 1968 में इंडियन एयर फोर्स का एम-12 विमान इसी इलाके में क्रैश हो गया था। 102 जवानों को ले जा रहा यह विमान 1968 में क्रैश हुआ था।

मेरे दोस्त नेतन्याहू, मैं शांति की प्रार्थना करता हूं

पीएम मोदी ने इजरायल को भेजीं 'रोश हशाना' की शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को यहूदी नववर्ष रोश हशाना के मौके पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पीएम मोदी ने नेतन्याहू और इजराइल की जनता के लिए शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। सोशल मीडिया पर अपने बधाई संदेश में पीएम मोदी ने यहूदी धर्म की प्राचीन भाषा हिब्रू और अंग्रेजी में सदेश लिखा। मोदी ने लिखा, यहूदी नववर्ष रोश हशाना के अवसर पर मेरे दोस्त प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजरायल की जनता को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मैं इजरायल के सभी लोगों के लिए शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं। रोश हशाना यहूदी धर्म का नववर्ष होता है और यह यहूदी कैलेंडर के अनुसार तिशरी महीने के पहले दिन से शुरू होता है, जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आता है। यह त्योहार यहूदियों के लिए आत्मचिंतन, प्रार्थना और अच्छे भविष्य की शुरुआत का प्रतीक है। इसे सृष्टि के दिन के रूप में भी मनाया जाता है, क्योंकि यह माना जाता है कि इसी दिन भगवान ने दुनिया की रचना की थी। रोश हशाना दो दिनों तक मनाया जाता है और यह धार्मिक और आध्यात्मिक अनुष्ठानों से भरा होता है। इस दौरान विशेष प्रार्थनाएं की जाती हैं और शॉफर (एक प्रकार का सींग) फूंका जाता है, जो आत्म-जागृति और आध्यात्मिक शुद्धिकरण का प्रतीक है। यह दिन यहूदियों के लिए आत्मविश्लेषण, पिछले साल की गलतियों पर विचार करने का होता है।

एनराईज बाय सयाजी में लाखों का गबन

ऑपरेशन डायरेक्टर और मैनेजर पर केस दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के विजयनगर पुलिस ने एनराईज बाय सयाजी में हुए लाखों के गबन को लेकर होटल के ऑपरेशन डायरेक्टर और मैनेजर पर केस दर्ज किया है। उन्होंने अपने काम के दौरान वहां पर लाखों रुपए का गबन किया और आपस में रुपए बांटे। पुलिस अब उक्त मामले में शिकायत के बाद जांच कर रही है।विजय नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मनजय ठाकुर निवासी ग्रीन सिटी तलावली चांदा मैनेजर होटल शिप्रा लिमिटेड की शिकायत पर पुलिस ने सुनील पाल बैंक क्रिट मैनेजर होटल शिप्रा लिमिटेड राऊ और विजय उपाध्याय डायरेक्टर ऑपरेशन होटल शिप्रा लिमिटेड के खिलाफ 62 लाख 67 हजार की अमानत में खयानत करने के मामले में केस दर्ज कराया है।मनजय ने अपनी शिकायत में बताया कि दोनों ने साल 2022-23 में काम के दौरान इन रुपए का गबन किया। जब उन्होंने ऑडिट चेक किया तो पूरे मामले की जानकारी लगी। पूछताछ में उन्होंने चोरी करना कबूल किया है। इसके बाद उन्हें लेकर थाने में लिखित शिकायत की गई। पुलिस के मुताबिक कंपनी का ऑफिस विजय नगर में इसे लेकर यहां जानकारी दी गई थी।

रिश्तेदार ने किया नाबालिग से रेप

15 दिन पहले ही कमरा किराए पर लिया, पुलिस मामले की जांच में जुटी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के आजाद नगर में एक नाबालिक लड़की से रिश्तेदार ने रेप किया। पीड़िता और उसकी मां 15 दिन पहले ही किराये का कमरा लेकर यहां रहने पहुंची थी। पुलिस ने मामले में जांच शुरू की है। आजाद नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस ने धर्मेन्द्र उर्फ धम्मू पर रेप और पॉक्सो एक्ट के केस दर्ज किया है।पीड़िता मूल रूप से सागर की रहने वाली है। पीड़िता ने मंगलवार को थाने आकर बताया कि वह अपनी नानी के यहां रह रही थी। 15 दिन पहले ही मां ने इलाके में कमरा लिया। जिसके बाद मां के साथ यहां रहने लगी। उसके घर से कुछ ही दूरी पर रिश्तेदार महिला का मायका है। यहां पर मां के साथ एक-दो बार जाना हुआ। आरोपी रिश्तेदार महिला का भाई है। वह बुरी नजर रखता है। 25 सितंबर को रिश्तेदार महिला की मां ने बुलाया ओर कहा कि वह उसे कहीं काम पर लगवा देगी। बातचीत के बाद महिला किराना सामान लेने के लिये घर से निकल गई। इस दौरान आरोपी धर्मेन्द्र पीछे से आया और घर का दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद घर पर जबरदस्ती कर रेप किया। जब घर में रोने लगी तो उसने जान से मारने की धमकी दी और कहा कि अगर यह बात किसी को बताई तो मां को जान से खत्म कर देगा। इसके बाद घर पर डरी सहमी रहने लगी। मां ने परेशान होने का कारण पूछा तो पूरी घटना के बारे में बताया। इसके बाद थाने आकर जानकारी दी।

अक्टूबर का मौसम

शुरुआती 7 दिन दोपहर में बादल, हल्की बारिश भी होगी, फिर गुलाबी ठंड का दौर

इंदौर (एजेंसी)। अक्टूबर के पहले दिन के साथ ही मानसून की विदाई का काउंट डाउन शुरू हो गया है। शुरुआती सात दिन सुबह के वक्त तो आसमान साफ रहेगा, लेकिन फिर दोपहर होते-होते बादल छा जाएंगे और कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है। 10 अक्टूबर तक मानसून पूरी तरह से विदा हो जाएगा। हालांकि 20 अक्टूबर तक ऐसा होगा कि दिन का तापमान अधिक रहेगा, लेकिन रात के तापमान भी तेजी से कम होगा। अक्टूबर के अंत से दिन के तापमान में भी कमी आएगी। हालांकि पिछले साल का अक्टूबर छोड़ दिया जाए तो लगातार नौ साल से अक्टूबर में भी बारिश के प्रमाण रहे हैं। 2020 में तो 2 इंच के करीब पानी बरसा था। अक्टूबर के पहले दिन की शुरुआत भी बादलों के साथ हुई। हालांकि बारिश नहीं हुई। दोपहर के वक्त धूप के साथ उमस ने भी परेशान किया।

स्टूडेंट से अपार्टमेंट में छेड़छाड़

कमेंट्स कर गाड़ी में घुमाने और होटल चलने के लिये भी बनाता था दबाव

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पलासिया में रहने वाली एक छात्रा ने अपनी ही बिल्डिंग में रहने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज कराया है। आरोपी पिछले चार माह से कमेंट्स कर रहा था। आरोपी ने मंगलवार को छात्रा को बिल्डिंग के रास्ते में रोका और उसका हाथ पकड़कर बेड टच किया। पलासिया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना पद्मावती कॉलोनी की है। यहां पर रहने वाले सुनील मेहना के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। छात्रा ने अपनी शिकायत में बताया कि रात को करीब 8 बजे के लगभग वह अपार्टमेंट की सीढ़ियों से नीचे उतर रही थी।तभी आरोपी सुनील आया और बेड टच करते हुए हाथ पकड़ लिया। इसके बाद हाथ छुड़ाने की कोशिश की तो जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़िता से कहा कि तुम घर पर अकेली हो तो घर आउंगा। पीड़िता ने बताया कि वह अपना हाथ सुनील से छुड़ाकर फ्लैट में चली गई। पीड़ित छात्रा ने बताया कि चार माह से आरोपी उसके साथ हरकत कर रहा है। इसके पहले उसने कोचिंग जाने के दौरान पीछा किया। वहां भी कमेंट्स करते हुए होटल जाने के लिये दबाव बनाने लगा। तब भी परिवार को डर के चलते बात नहीं बताई। बाद में पिता को मोबाइल कर जानकारी देने के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज के लापता प्रिंसिपल एक माह बाद लौटे

कहा-मैं समाज की मीटिंग के लिए बंगाल में था; किडनैपिंग के सवाल पर बोले- मैं इतना बड़ा आदमी नहीं

इंदौर (एजेंसी)। करीब एक महीने तक लापता रहे क्रिश्चियन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अमित डेविडइंदौर लौट आए हैं। उन्होंने 1 अक्टूबर को ड्यूटी भी जॉइन कर ली। साथ ही बिना सूचना जाने, किडनैप, विवाद सहित सारे कारणों से इनकार किया। यह दावा किया कि मैं पूरे समय वेस्ट बंगाल में था। वहां ग्रामीण इलाके में नेटवर्क नहीं मिलता था इसलिए गफलत हुई। साथ ही कहा कि मैं इतना बड़ा व्यक्ति नहीं हूं, जिसे लेकर कई तरह की चर्चाएं हो।डॉ. डेविड 31 अगस्त से कॉलेज नहीं आए थे। पूरे समय उनका मोबाइल भी स्विच ऑफ रहा। नजदीकी लोगों के मुताबिक उन्होंने न तो अवकाश के लिए कोई आवेदन दिया था और न ही उच्च शिक्षा विभाग से अनुमति ली थी। उनका प्रभार प्रो. प्रकाश चौधरी को दिया गया। इसका भी कोई रिकॉर्ड नहीं था।

प्रदेश में होलकर एयरपोर्ट फ्लाइट और पैसेंजर में अव्वल

सितंबर में 3 लाख से अधिक यात्रियों ने किया सफर, 50 उड़ानें भी बढ़ी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर का देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट सितंबर में यात्रियों के सफर और उड़ानों की संख्या में प्रदेश के अन्य एयरपोर्ट्स से अव्वल रहा। इंदौर एयरपोर्ट से सितंबर माह में 3 लाख 18 हजार से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया और 2550 से अधिक फ्लाइट्स ने उड़ान भरी है। प्रदेश में हवाई यात्रियों की संख्या में जून और जुलाई माह में आई गिरावट के बाद लगातार अगस्त और सितंबर में उछाल आया। सितंबर महीने में इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है।इंदौर एयरपोर्ट से 3 लाख 18 हजार से ज्यादा तो वहीं भोपाल एयरपोर्ट से 1 लाख 21 हजार से अधिक यात्रियों ने सफर किया है। वहीं सितंबर माह में ही ग्वालियर एयरपोर्ट से करीब 20 हजार तो जबलपुर एयरपोर्ट से तकरीबन 28 हजार से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया है।इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार जुलाई माह के मुकाबले सितंबर माह में 13 हजार 86 से ज्यादा यात्रियों ने इंदौर एयरपोर्ट से यात्रा आना और जाना किया है। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक सितंबर माह में इंदौर से 2550 से ज्यादा उड़ानों के साथ 50 से ज्यादा नई उड़ाने बढ़ी हैं।

भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में भी बढ़ी संख्या

इंदौर एयरपोर्ट के बाद प्रदेश में सबसे ज्यादा फ्लाइट का संचालन भोपाल एयरपोर्ट से हुआ है। बताया जा रहा है कि सितंबर माह में भोपाल एयरपोर्ट से 950 से ज्यादा उड़ानों का संचालन हुआ है। जिससे 1 लाख 21 हजार

841 से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया है। जबलपुर एयरपोर्ट से 300 से ज्यादा उड़ानों का संचालन हुआ। जिससे 28 हजार 599 से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया है। इसी तरफ ग्वालियर एयरपोर्ट से 150 से ज्यादा उड़ानों का संचालन हुआ है। जिससे 20 हजार से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया है।

चार महीनों में अगस्त में रही सबसे अधिक बुकिंग

इंदौर एयरपोर्ट अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार अगस्त माह में सबसे ज्यादा यात्रियों ने सफर किया है। अप्रैल में जहां इंदौर को 2.95 लाख, मई में 3.18 लाख, जून में 3.11 लाख और जुलाई में 3.04 लाख यात्री मिले थे। इस तरह अप्रैल से अगस्त के बीच अगस्त 3.20 लाख यात्रियों के साथ सबसे ज्यादा यात्रियों वाला महीना रहा है।इससे पहले इस साल सबसे ज्यादा यात्री मार्च में 3.34 लाख थे। यात्रियों में यह इजाफा उड़ाने बढ़ने से भी हुआ है। यह इस बात का संकेत है कि शहर में यात्रियों की संख्या ज्यादा है, लेकिन फ्लाइट्स कम होने के कारण यात्रियों को अन्य साधनों का उपयोग करना पड़ता है।

2019 में 30 लाख यात्रियों ने किया था सफर

2023 में इंदौर एयरपोर्ट से 35 लाख 39 हजार 406 यात्रियों ने सफर किया है। उड़ानों और यात्रियों की संख्या के मान से यह इतिहास में इंदौर के सबसे बड़े आंकड़े हैं। इससे पहले साल 2019 में इंदौर से 30 लाख 24 हजार 364 यात्रियों ने सफर किया था। इंदौर एयरपोर्ट से बढ़ते यात्रियों के आंकड़ों को देखते हुए इस सेक्टर से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर यात्रियों के बढ़ने का यहीं ट्रेंड रहा तो यहां के 87 साल इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब 2024 में यात्रियों का आंकड़ा 40 लाख को पार कर जाएगा।

इंदौर को विंटर शेडयूल में मिली तीन नई उड़ान,पुणे, जयपुर और चेन्नई जाने वालों को मिलेगी सुविधा

28 तारीख से लागू हो रहे विंटर शेड्यूल से इंडिगो इंदौर एयरपोर्ट से तीन नई उड़ान शुरू करने जा रही है। कंपनी की घोषणा के अनुसार पुणे, जयपुर और चेन्नई के लिए उड़ाने शुरू होगी। इन शहरों के लिए कंपनी अभी उड़ानें संचालित कर रही है। कंपनी की पुणे के लिए यह दूसरी, जयपुर के लिए तीसरी और चेन्नई के लिए दूसरी उड़ान होगी। इंडिगो से मिली जानकारी के अनुसार 28 अक्टूबर से लागू होने वाले विंटर शेड्यूल में इंदौर से पुणे, जयपुर और चेन्नई के बीच उड़ान संचालित करने के लिए डीजीसीए मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा था। जिसे मंजूरी मिल गई है। अभी पुणे की मौजूदा उड़ान रात (6ई 147/284) रात 11.55 बजे इंदौर से पुणे जाती है और देर रात 2.50 बजे पुणे से आती है। नई उड़ान इंदौर से सुबह 11.55 पर उडान भर दोपहर एक बजे पुणे पहुंचेगी। जबकि वापसी में वहां से 1.55 पर उड़ान भर दोपहर 3.05 पर इंदौर आएगी।

कोविड से मौत पर नहीं मिला परिवार को क्लेम

सरकार ने निगम के सहायक दरोगा को अपात्र बताया; हाईकोर्ट ने कहा-ब्याज समेत मुआवजा दीजिए

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में कोविड ड्यूटी के दौरान एक सहायक दरोगा संक्रमित हो गए। बीमारी से जूझते हुए उनकी मौत हो गई। इसके बावजूद उन्हें अपात्र मानकर परिवार को मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना का लाभ नहीं दिया गया। योजना के हितग्राहियों को 50 लाख रुपए दिए जाते हैं। सहायक दरोगा के पत्नी-बच्चों ने अधिकारियों के चक्कर लगाए। आवेदन पर आवेदन दिए लेकिन सुनवाई नहीं हुई। शासन ने कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना का फायदा जिन लोगों को मिलेगा, उनकी कैटेगरी बनाई है। नियमों में सब कुछ साफ-साफ लिखा है लेकिन अधिकारी मानने को तैयार नहीं हुए।आखिरकार परिवार ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दी। कोर्ट ने उनके पक्ष में ऑर्डर देते हुए ब्याज सहित पूरी राशि चुकाने के निर्देश दिए हैं। इस फैसले से प्रदेशभर के ऐसे लोगों को फायदा होने की उम्मीद है, जिन्होंने कोरोना की वजह से अपनों को खोया लेकिन मुआवजे के आवेदन अधिकारियों ने रिजेक्ट कर दिए हैं।

23 अगस्त को संक्रमित हुए, 29 अगस्त को मौत हो गई

याचिकाकर्ता अलका करोसिया ने बताया- पति जगदीश करोसिया नगर निगम में सहायक दरोगा थे। ड्यूटी के दौरान 23 अगस्त 2020 को कोविड हो गया। 29 अगस्त 2020 को उनकी मौत हो गई।हमने मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के तहत आवेदन किया। 50 लाख रुपए का क्लेम मांगा लेकिन रिलीफ कमिश्नर, भोपाल ने आवेदन रिजेक्ट कर दिया। 11 अक्टूबर 2023 को हाई कोर्ट की इंदौर बेंच में याचिका लगाई थी।

कोविड मरीजों के घर में आने-जाने की ड्यूटी थी

सहायक दरोगा जगदीश करोसिया को कोविड संक्रमित मरीजों का रिकॉर्ड मेंटेन करने की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके लिए जगदीश को मरीजों के घर जाना पड़ता था। इससे वे भी संक्रमित हो गए। ये बात उनके सीनियर अधिकारी ने नोटशीट में लिखी है। तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह ने भी मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के लिए जगदीश का नाम भेजा था।रिलीफ कमिश्नर, भोपाल की तरफ से जगदीश को अपात्र बताकर उनका क्लेम केस रिजेक्ट कर दिया गया। कारणों का खुलासा नहीं किया गया, बस इतना लिखा कि ये कवर नहीं होते हैं।कोरोना से निधन होने के बाद जगदीश करोसिया को इंदौर नगर निगम ने श्रद्धांजलि भी दी थी।

जवाब देने के लिए लगातार मांगते रहे समय

जगदीश की पत्नी अलका करोसिया ने 11 अक्टूबर 2023 को हाई कोर्ट में याचिका लगाई। सुनवाई के दौरान नगर निगम से जवाब मांगा गया। निगम ने 20 मार्च 2024 को अपना जवाब कोर्ट में सब्मिट किया। इसमें जगदीश को अपना कर्मचारी बताते हुए क्लेम के लिए परिवार को पात्र बताया।

पति ने तीसरी पत्नी से मांगा दहेज

शॉप खोलने के नाम पर करने लगा प्रताड़ित

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एमआईजी पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया है। महिला ने पति सहित परिवार के चार लोगो पर आरोप लगाए है। पुलिस ने पूरा मामला जांच में लिया है।एमआईजी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्रतीक्षा निवासी एमआईजी की शिकायत पर पुलिस ने अंकित भंडारी निवासी सीआरवी रिजेन्सी फूठी कोठी,सुरेन्द्र भंडारी,नंनद नेहा कोठारी निवासी रामचंद्र नगर और नंनदोई चेतन कोठारी के खिलाफ दहेज के लिये प्रताड़ित करने के मामले में कारवाई की है। प्रतीक्षा ने बताया कि उसकी पहली शादी रोहित से हुई। जिसमें उसकी एक बेटी 8 और बेटा 4 साल की है। पति की गंभीर बीमारी से मौत होने के बाद 19 अप्रैल को परिवार की राजी मर्जी से अंकित भंडारी से शादी करवा दी। परिवार को जानकारी लगी थी कि अंकित की दो शादी पहले छूट गई है।

उसने तीसरी शादी की है। पिता ने शादी में अच्छा दहेज दिया। जिसमें शादी के तीन दिन बाद ही 22 को पति अंकित ने कहां कि पिता ने शादी में कम रूपए पैसे दिए है। मैने शॉप खोलने के लिये रूपए मांगे थे। जो मुझे नही मिले। में खुद की शॉप खोलना चाहता हूं। पिता से बात करो।इसके बाद अंकित ने मानसिक रूप से परेशान किया और उसने शादी के 5 दिन बाद ही इसी बात कोलेकर मारपीट की।

इसी बीच बच्चो ने बचाव करने की कोशिश की तो अंकित ने उन्हें भी धमकाया और जान से मारने की धमकी दी। अंकित ने कहां कि पुलिस में गई तो ठीक नही होगा। यह बात नंनद नेहा और उसके पति चेतन को बताई। तब उन्होंने कहां कि अंकित की तुम्हारे पिता सो बात हुई थी। अभी 5 लाख रूपए लेकर आ जाओ। जिसमें अंकित का काम शुरू हो जाएगा। वह परेशान नही करेगा। पिता से रूपए की व्यवस्था की बात कही।इसी बीच दादी के शांत होने पर पहली राखी के त्यौहार को लेकर 18 को मायके आना था।

2 साल के मासूम को ट्रैक्टर ने रौंदा, मौत

सिर में गंभीर चोट से तड़पता देख पड़ोसी अस्पताल लेकर पहुंचा, उपचार से पहले ही दम तोड़ा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के गोंदवले धाम के पास दो साल के मासूम को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने रौंद दिया। उसे तड़पता देख पड़ोसी दुकानदार तत्काल एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचा। लेकिन यहां उपचार शुरू होने के पहले ही उसकी मौत हो गई।द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक घटना प्रजापत नगर स्थित गोंदवले धाम के नजदीक की है। यहां मंगलवार शाम ट्रैक्टर ने 2 साल के मासूम सन्नी पुत्र गणेश बसंल को टक्कर मार दी। ट्रैक्टर के पीछे पानी का टैंकर जुड़ा था। हादसे में बच्चे के सिर में गंभीर चोट आई। पड़ोसी दुकानदार सचिन बच्चे को लेकर तत्काल एमवाय अस्पताल पहुंचा। यहां उपचार शुरू होने के पहले ही उसने दम तोड़ दिया।सचिन ने पुलिस को बताया कि बच्चा अपने घर के बरामदे से बाहर निकलकर खेल रहा था। हादसे के बाद सन्नी तड़पने लगा। मैं उसके पास दौड़कर गया और सीधे अस्पताल लेकर गया। वहीं ट्रैक्टर चालक भागने लगा। लेकिन रहवासियों ने उसे रोक लिया और पुलिस को सूचना दी।

महाकाल मंदिर में 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी दीपावली !

उज्जैन के ज्योतिषाचार्यों का मत इसी रात अमावस्या; इंदौर के विद्वान 1 नवंबर पर अडिग

उज्जैन (एजेंसी)। दीपावली कब मनाई जाए? ज्योतिषाचार्य एकमत नहीं हो पा रहे हैं। सोमवार को इंदौर में ज्योतिष और विद्वत परिषद की बैठक में दीपावली 1 नवंबर को मनाने का तय हुआ। वहीं, उज्जैन के ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि शास्त्र सम्मत दीपावली 31 अक्टूबर को ही मनाना सही है। महाकाल मंदिर में इसी दिन दीपोत्सव मनाया जाएगा। 31 अक्टूबर को ही दीपावली क्यों मनाई जानी चाहिए, इसके पीछे उज्जैन के ज्योतिषाचार्यों का मत है कि 31 अक्टूबर की शाम 4.03 बजे के बाद अमावस्या लग जाएगी। जबकि, 1 नवंबर को अमावस्या शाम 5.38 बजे तक ही रहेगी, 5.46 से सूर्यास्त होगा। दीपावली मनाने की परंपरा और पूजन रात को ही होता है। ऐसे में 1 नवंबर को नहीं, 31 अक्टूबर को अमावस्या लग रही है तो इसी दिन दीपावली मनाना चाहिए।

31 को ही प्रदोष काल में महालक्ष्मी का पर्व मानना शास्त्रोचित

पंडित अमर डिब्बेवाला इसे और स्पष्ट कर कहते हैं, धर्म सिंधु के अनुसार चतुर्दशी युक्त अमावस्या को ग्रहण कर लेना चाहिए। 31 अक्टूबर को दोपहर 3.52 बजे चतुर्दशी तिथि रहेगी, इसके बाद अमावस्या लग जाएगी। 31 को ही प्रदोष काल में महालक्ष्मी का पर्व मानना शास्त्रोचित माना जाएगा। 31 अक्टूबर को ही दीपावली मानना उचित है। सौर्य मत (सोलर कैलेंडर) की गणना से भी यही सही है, चंद्र मत (लूनर कैलेंडर) की गणना से भी यही सही है। प्रतिपदा दिवस काल में अच्छी होती है, रात्रि में अच्छी नहीं होती है। 1 नवंबर को रात्रि काल में या प्रदोष काल के बाद प्रतिपदा लगेगी, इस कारण शास्त्र ये कहता है कि 31 को ही दीपावली मनाई जाए।

1 नवंबर को दीपावली मनाना गलत

उज्जैन के वरिष्ठ पंडित आनंद शंकर व्यास के मुताबिक, दीपावली के लिए प्रदोष काल में अमावस्या प्राप्ति होना चाहिए। 31 अक्टूबर की शाम अमावस्या की प्राप्ति है। शाम 4 बजकर 3 मिनट के बाद अमावस्या लग जाएगी। लक्ष्मी पूजन इसी 31 तारीख को प्राप्त है। दूसरे रोज 1 नवंबर को अमावस्या शाम 5.38 तक है। शाम 5.46 से सूर्यास्त होगा। इसके पहले अमावस्या खत्म हो जाएगी। इसलिए इस रोज दीपावली नहीं मानी जाएगी।

1 नवंबर को दीपावली कैसे

इसके जवाब में मध्यप्रदेश वैदिक और विद्वत परिषद के अध्यक्ष आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा का कहना है, देश में दो तरह के पंचांग प्रकाशित होते हैं। एक चित्रा पक्ष आयन पर आधारित पंचांग होता है। इसे कम्प्यूटराइज्ड पंचांग भी कहा जाता है। इसकी संख्या 150 से अधिक है।

नारी की पवित्रता व मर्यादा की पूजा की जाती है, कोर्ट ने कहा- एफआईआर रद्द नहीं होगी

इंदौर (एजेंसी)। हाई कोर्ट ने एक मामले में दो पक्षों में समझौते के बावजूद दुष्कर्म और धमकी के आरोप में दर्ज एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस प्रेम नारायण सिंह ने कहा कि दुष्कर्म जैसे अपराधों के सामाजिक प्रभाव होते हैं। इन्हें केवल आरोपी और पीड़ित के बीच समझौते के आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता। केवल समझौता करने से यह नहीं कहा जा सकता कि आरोप की गंभीरता कम हो गई है, क्योंकि अपराध महिलाओं की गरिमा के साथ-साथ सार्वजनिक हित के खिलाफ है। हमारे देश में नारी की मर्यादा और पवित्रता की सदैव पूजा की जाती है। किसी को भी उसे बर्बाद करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

न्यायालय ने अपराध की जघन्य प्रकृति के बारे में कहा कि दुष्कर्म जघन्य अपराधों में से एक है। इसके दोषियों को दंडित करने के लिए विधायिका द्वारा कड़े प्रावधान बनाए गए हैं। एक महिला हर व्यक्ति की मां, पत्नी, बहन और बेटी आदि के रूप में जीवित रहती है। उनके शरीर को उनके अपने मंदिर के रूप में जाना जाता है, क्योंकि वह विशेष रूप से अपने बलिदानों के लिए जानी जाती है।

शादी का झूठा वादा करके शिकायतकर्ता का शोषण किया

हाई कोर्ट में दर्ज याचिका में आरोप लगाया गया है कि याचिकाकर्ता ने शादी के झूठे वादे के तहत शिकायतकर्ता का यौन शोषण किया था। याचिकाकर्ता ने शिकायतकर्ता के साथ संबंध बनाए, उसे यात्राओं पर ले गया और शादी का झांसा दिया। हालांकि, जब शिकायतकर्ता को याचिकाकर्ता की अन्य महिलाओं के साथ संलिप्तता का पता चला तो विवाद उत्पन्न हो गया। याचिकाकर्ता ने कथित तौर पर

अंतरंग तस्वीरें और वीडियो जारी करने की धमकी देकर शिकायतकर्ता को अपने आगे झुकने के लिए मजबूर किया।

याचिकाकर्ता ने तर्क देकर की एफआईआर रद्द करने की मांग

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि आरोप झूठे थे, शिकायतकर्ता से संबंध सहमति से बने थे। तर्क दिया कि चूंकि दोनों पक्षों ने मामला सुलझा लिया है और शिकायतकर्ता अब मामले को बढ़ाना नहीं चाहता, इसलिए एफआईआर रद्द कर दी जानी चाहिए। हाई कोर्ट ने फैसले में कहा, हमारे पास सीआरपीसी की धारा 482 के तहत कुछ मामलों में कार्यवाही को रद्द करने की अंतर्निहित शक्तियां हैं, लेकिन उसे इन शक्तियों का प्रयोग सावधानी से करना चाहिए, खासकर जघन्य अपराधों से जुड़े मामलों में।

हाई कोर्ट ने ज्ञान सिंह बनाम पंजाब राज्य का हवाला दिया

कोर्ट ने ज्ञान सिंह बनाम पंजाब राज्य (2012) का हवाला दिया, जिसमें यह देखा गया था कि मानसिक भ्रष्टता के जघन्य और गंभीर अपराध या हत्या, दुष्कर्म, डकैती जैसे अपराधों को उचित रूप से रद्द नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने फैसले में कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ दुष्कर्म, धमकी और आपराधिक धमकी के आरोप गंभीर प्रकृति के थे और केवल निजी विवाद नहीं थे, जिन्हें सुलझाया जा सकता था। इसलिए कोर्ट ने याचिकाकर्ता के खिलाफ एफआईआर और आरोप पत्र रद्द करने की याचिका खारिज कर दी।

संपादकीय

सोनम वांगचुक के साथ ऐसा बर्ताव क्यों?

लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता, पर्यावरणविद सोनम वांगचुक के साथ कठोर व्यवहार कर मोदी सरकार आखिर क्या संदेश देना चाहती है? सोनम लद्दाखियों की मांगों को लेकर पहले महीना भर अनशन कर चुके हैं और अब दिल्ली तक पदयात्रा कर रहे हैं। बताया जाता है कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें सिंघु बॉर्डर पर हिरासत में ले लिया। हालांकि पुलिस ने इस खबर की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की। सवाल यह है कि सरकार सोनम वांगचुक से बात करने से क्यों बच रही है? सोनम न तो आतंकवादी हैं और न ही अलगाववादी। और न ही उनका आंदोलन अहिंसक है। सरकार उनकी मांगे माने न माने, लेकिन बात तो करे। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक का कहना है कि लद्दाख को केन्द्र शासित प्रदेश बनाने का बीते पांच सालों में कोई फायदा नहीं हुआ। उल्टे उससे पूर्ण राज्य का हिस्सा होने का लाभ भी छिन गया। सोनम यह पदयात्रा मुख्यो रूप से लद्दाख को पूर्ण राज्य और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर दिल्ली के लिए पदयात्रा कर रहे हैं। लेह से 1 सितंबर को शुरू हुई ये यात्रा क़रीब एक हज़ार किलोमीटर लंबी है। सोनम को गांधी जयंती पर बापू की समाधि पर पहुंचना था। उसके पहले ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। खुद सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें हिरासत में लिए जाने जानकारी एक वीडियो पोस्ट में दी। उन्होंने लिखा कि दिल्ली बॉर्डर पर 150 पदयात्रियों के साथ मुझे हिरासत में लिया जा रहा है। इसके लिए 100 पुलिस वाले हैं। कुछ का कहना है कि ये 1000 हैं।बकौल वांगचुक उनके साथ पदयात्रियों में 80 साल से ज़्यादा उम्र के बुज़ुर्ग भी हैं। इसमें महिलाएं भी शामिल हैं। इसके साथ कुछ दर्जन सेना से रिटायर्ड लोग भी हैं। वांगचुक ने आगे लिखा कि आगे क्या होगा, कुछ पता नहीं है। हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में बापू की समाधि तक सबसे शांतिपूर्ण मार्च पर थे। ध्यान रहे कि दिल्ली पुलिस ने पदयात्रा को देखते हुए 6 दिन के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 को भी लागू कर दिया है। वांगचुक की इस यात्रा ने अब राजनीतिक रंग ले लिया है। दिल्ली की सीएम आतिशी मार्लेना वांगचुक से मिलीं और केन्द्र शासित प्रदेश में उप राज्यपाल को मिली मर्यादित शक्तियों की आलोचना की। उन्होंने सवाल किया कि क्या लद्दाख के लिए लोकतांत्रिक अधिकार मांगना ग़लत है? सोनम वांगचुक को रोकना तानाशाही है। उधर कांग्रेस भी इस मुद्दे पर मोदी सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक्स पर पोस्ट किया कि पर्यावरण और संवैधानिक अधिकारों के लिए शांतिपूर्वक मार्च कर रहे सोनम वांगचुक और सैकड़ों लद्दाख के लोगों की हिरासत अस्वीकार्य है। लद्दाख के भविष्य के लिए आवाज़ उठाने वाले बुजुर्ग नागरिकों को दिल्ली की सीमा पर हिरासत में क्यों लिया जा रहा है? मोदीजी आपको लद्दाख की आवाज सुननी ही पड़ेगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट किया कि जो लोग शांति से डरते हैं वो लोग अंदर से डरे हुए होते हैं। उधर मोदी सरकार का का मानना है कि सोनम वांगचुक के आंदोलन के पीछे वामपंथी और कांग्रेस है। लद्दाख में सब कुछ ठीक चल रहा है। लेकिन यह सोच हकीकत से मुंह छिपाने वाली है। लोगों की जायज मांगों को भी न सुनने का अर्थ है, लद्दाख में भी अलगाववादी गतिविधियों को हवा देना। लद्दाख के लोग अभी तक शांत ही रहे हैं। लेकिन केवल राजनीतिक स्वार्थ और अहंकार के चलते सोनम जैसे लोगों से बात भी न करना, नई मुसीबत को न्यौता देने जैसा है।

नजरिया

आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

इसलिए जरूरी है 'एक देश, एक चुनाव' का विचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस समारोह के दौरान लाल किले से अपने भाषण में भी एक देश एक चुनाव की वकालत की थी। उनका कहना था कि देश में बार-बार चुनाव से विकास कार्य में बाधा आती है। किसी भी चुनाव की घोषणा होते ही अंतिम रिजल्ट नहीं आने तक कोई नया विकास कार्य शुरू ही नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था कि 'एक देश, एक चुनाव' के लिए देश को आगे आना होगा। उन्होंने देश के सभी राजनीतिक दलों से भी आग्रह किया था कि देश की प्रगति के लिए इस दिशा में आगे बढ़े। यहां तक कि इसी साल हुए लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने इसे अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी प्रमुखता से शामिल किया था।

एक देश, एक चुनाव का सपना अब तो साकार होता नजर आ रहा है। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश में सभी चुनाव एक साथ करवाने के लिए बनी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कमिटी की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। मतलब यह कि अब देश में 'एक देश, एक चुनाव' की राह का सारा व्यवधान सारा सस्पेंस दूर हो गया है। पिछले दिनों गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने एक वक्तव्य में साफ किया था कि मोदी सरकार के इसी कार्यकाल में देश का यह सबसे बड़ा चुनाव सुधार लागू हो जाएगा। जैसे कि आपको ज्ञात ही होगा कि केंद्र सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में 'एक देश, एक चुनाव' पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अध्यक्षता में एक समिति बनाई थी। रामनाथ कोविंद कमिटी को जिम्मेदारी दी गई थी कि वह देश मे एक साथ चुनाव करवाने की संभावनाओं पर रिपोर्ट दे। अब कमिटी की सिफारिशों पर देश की सभी राजनीतिक मंचों पर इस पर चर्चा की जाएगी। सभी नौजवानों, कारोबारियों, पत्रकारों समेत सभी संगठनों से इस पर बात होगी। इसके बाद इसे लागू करने के लिए ग्रुप बनाया जाएगा। फिर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर इसे लागू किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस समारोह के दौरान लाल किले से अपने भाषण में भी एक देश एक चुनाव की वकालत की थी। उनका कहना था कि देश में बार-बार चुनाव से विकास कार्य में बाधा आती है। किसी भी चुनाव की घोषणा होते ही अंतिम रिजल्ट नहीं आने तक कोई नया विकास कार्य शुरू ही नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था कि 'एक देश, एक चुनाव' के लिए देश को आगे आना होगा। उन्होंने देश के सभी राजनीतिक दलों से भी आग्रह किया था कि देश की प्रगति के लिए इस दिशा में आगे बढ़े। यहां तक कि इसी साल हुए लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने इसे अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी प्रमुखता से शामिल किया था।

बेशक, एक साथ चुनाव कराने से चुनाव प्रक्रिया की चुनाव पर होने वाले खर्च में कमी आएगी, क्योंकि कई चुनावों के लिए बार-बार तैयारी और कार्यान्वयन करने की आवश्यकता नहीं होगी। क्या आपको पता है कि कुछ माह पहले देश में हुए लोकसभा चुनाव में कितना खर्चा हुआ? 2024 के लोकसभा चुनाव पर 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले करीब दोगुना से भी ज्यादा खर्चा आया। चुनावी खर्च पर रिपोर्ट जारी करने वाली गैर लाभकारी संस्था सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने अनुमान लगाया है कि इस बार लोकसभा चुनाव में करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल खर्च 55 से 60 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इस तरह देखा जाए तो इस बार दोगुने से भी ज्यादा पैसा चुनाव में खर्च किया गया है। अमेरिका ने भी साल 2020 में हुए राष्ट्रसपति चुनाव में करीब 1.20 लाख करोड़ रुपये ही खर्च किए थे। क्या आपको पता है कि 1951-52 में भारत के पहले चुनाव के दौरान महज 10.5 करोड़ रुपये था? चुनाव खर्च का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया प्रचार पर खर्च किया जाता है। भारतीय राजनेता मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए असाधारण और नए-नए तरीके अपना रहे हैं।

यह सबको पता है कि देश में बार-बार चुनाव होने से जनता और सरकारी अधिकारियों का समय और संसाधन बर्बाद होता है। एक साथ चुनाव कराने से यह सब नहीं होगा। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक स्थिरता में सुधार आएगा।क्योंकि, सरकार को बार-बार चुनावों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। इसके साथ ही एक साथ चुनाव होने से प्रशासन पर भी काम का दबाव कम होगा और वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। तो आप कह सकते हैं कि 'एक देश, एक चुनाव' से कई मसलों का हल हो जाएगा। चुनावों की अवधि कम हो जाने से, शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान बेहतर ढंग से केंद्रित किया जा सकेगा।

यह जानना जरूरी है कि भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आज़ादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राज्य विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आज़ादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार ही चुनाव हो रहे थे। उसके बाद साल 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ ही हुए थे। यह सिलसिला पहली बार उस वक़्त टूटा था जब केरल में साल 1957 के चुनाव में ईएमएस नंबूदरीबाद की वामपंथी सरकार बनी। साल 1967 के बाद कुछ राज्यों की विधानसभा जल्दी भंग हो गई और वहां प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने मनमाने ढ़ंग से राष्ट्रपति शासन लगा दिया।इसके अलावा साल 1972 में होनेवाले लोकसभा चुनाव भी समय से पहले कराए गए थे। साल 1967 के चुनावों में कांग्रेस को कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे कई राज्यों में विरोधी दलों या गठबंधन की सरकार बनी थी। इनमें से कई सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई और विधानसभा समय से पहले भंग कर दी गई। वैसे यह बात भी है कि अगर लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराए जाएं तो इसके लिए मौजूदा संख्या से तीन गुना ज़्यादा ईवीएम की ज़रूरत पड़ेगी। लेकिन, वह तो एक बार ही होने वाला खर्च होगा।

क्या बाकी देशों में भी 'एक देश, एक चुनाव' वाली व्यवस्था लागू है ? अमेरिका, फ्रांस, स्वीडन, कनाडा आदि में 'एक देश, एक चुनाव' वाली स्थिति हैं। अमेरिका में हर चार साल में एक निश्चित तारीख को ही राष्ट्रपति, कांग्रेस और सीनेट के चुनाव कराए जाते हैं। भारत की ही तरह फ्रांस में संसद का निचला सदन यानी नेशनल असेंबली है। वहां नेशनल असेंबली के साथ ही संघीय सरकार के प्रमुख राष्ट्रपति के साथ ही राज्यों के प्रमुख और प्रतिनिधियों का चुनाव हर पांच साल में एक साथ कराया जाता है।

स्वीडन की संसद और स्थानीय सरकार के चुनाव हर चार साल में एक साथ होते हैं। यहां तक कि नगरपालिका के चुनाव भी इन्हीं चुनावों के साथ होते हैं। वैसे तो कनाडा में हाउस ऑफ कॉमंस के चुनाव हर चार साल में कराए जाते हैं, जिसके साथ कुछ ही प्रांत स्थानीय चुनाव को संघीय चुनाव के साथ कराते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत जैस देश के लिए 'एक देश, एक चुनाव' का विचार बहुत ही उपयुक्त और आदर्श है। पर दिक्कत यह है कि हमारे विपक्षी दल इतने शानदार विचार की बिना सोचे समझे राजनीतिक स्वार्थ साधने के चक्कर में निंदा करने लगे हैं। उम्मीद कीजिए कि वे भी अंत में सरकार का ही साथ देंगे।

गांधी विचार

वत्सला

सिनेमा में आज भी वैचारिक रूप से गांधी मौजूद

गांधीजी फिल्मों को पसंद नहीं करते थे। उन्होंने अपने जीवन में केवल दो ही फिल्में देखी थी 'रामराज्य' और 'मिशन टू मास्को' उनका सिनेमा के प्रति कोई आकर्षण भी नहीं रहा। गांधी जी के जीवन को लेकर कई फिल्में बनी। लेकिन, उनके विचार कई फिल्मों के केंद्र बिंदु रहे। महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा व शांति के जो प्रयोग किए उसे अपनी आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' में लिखा। उनकी आत्मकथा ने फिल्म जगत को प्रभावित किया और फिल्मों का निर्माण हुआ।

कुछ लोग सिनेमा को कल्पनालोक कहते हैं। जैसे लोक का अनुकीर्तन काव्य, नाटक आदि सभी विधाओं में होता है वैसे ही लोक का अनुकरण, लोक का प्रतिबिंब फिल्मों में भी देखने को मिलता है। फिल्मों में भी लोक में परिव्याप्त समस्याओं, विसंगतियों, विषमताओं, जीवन दर्शन, युद्ध, शांति, लोक संस्कृति, लोक परंपरा आदि का फिल्मांकन बेहतरीन तरीके से किया जाता हैं। समाज में प्रसृत प्रवृत्तियों का प्रभाव साहित्य की तरह फिल्मों में भी परिलक्षित होता हैं। साहित्य की तरह सिनेमा से भी रसानुभूति की प्राप्ति होती है। इसका अनुमान सिनेमाघरों से निकलने वाली भीड़ को देखकर लगाया जा सकता हैं। सिनेमा नाटक की तरह दृश्य होता है। कालिदास ने भिन्न रुचि वाले लोगों के लिए नाटक को एक सामान्य मनोरंजन का साधन बताया और कहा था 'नाट्यं भिन्नरुचेर्जनस्य बहुधाप्येकं समाराधनम्!' इसी प्रकार सिनेमा भी भिन्न रुचि वाले लोगों के लिए मनोरंजन का साधन है। फिल्मों में नाटकों की भांति ही दर्शकों को आनंदानुभूति की प्राप्ति होती है। लोक की अभिरुचि के अनुसार ही निर्माता, निर्देशक कहानी का चयन कर फिल्म का निर्माण करते हैं। इस तरह सिनेमा साहित्य और समाज का आपस में अंतर्संबंध है।

भारतीय सिनेमा का इतिहास 20वीं शताब्दी के प्रारंभ से शुरू हुआ है। पहले फिल्मों की कहानी धार्मिक, पौराणिक व ऐतिहासिक होती थी किंतु 20वीं शताब्दी के मध्य से फिल्मों की पटकथा में परिवर्तन हुआ। देशभक्ति, सामाजिक समस्याओं और उनके उन्मूलन हेतु संदेश देने वाली फिल्में बनने लगी। 20वीं शताब्दी में जब पूरे देश में स्वतंत्रता आंदोलन की लहर फैली थी तो इस आंदोलन का प्रभाव भी फिल्मों पर पड़ा। परिणाम स्वरूप देशभक्ति पर केंद्रित फिल्में बनीं जो जन समुदाय को आजादी के लिए प्रेरित करने वाली थी। ऐसी फिल्में लोगों द्वारा बहुत पसंद की गई। इन फिल्मों के माध्यम से देश की गरीबी, अशिक्षा, न्याय प्रणाली, सामाजिक असमानता, क्रूर अमानवीय अत्याचार,आजादी की लड़ाई, चौरी चौरा कांड, जलियांवाला बाग हत्याकांड, युद्ध की विभीषिका, भुखमरी, महामारी, नारी शिक्षा आदि अनेक घटनाओं का चित्रांकन किया गया। ऐसी कुछ प्रसिद्ध फ़िल्में हैं इंकलाब (1935), चित्तौड़ विजय (1947), आनंद मठ (1952) जो बंगाल के भीषण अकाल पर बनी थी। 1943 में 'किस्मत' द्वितीय विश्व युद्ध की घटना पर आधारित थी। 1948 में आई शहीद झांसी की रानी (1953), हकीकत (1964) भारत-चीन के 62 के युद्ध पर बनी।

भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भी नामचीन स्वतंत्रता सेनानियों, महापुरुषों के चरित्र तथा स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष की घटनाओं पर फिल्मों का निर्माण हुआ। ऐसी कुछ फिल्में हैं उपकार, पूरब और पश्चिम, गर्म हवा, आक्रमण, सत्य मेव जयते, द लीजेंड ऑफ भगत सिंह (2002), मंगल पांडे (2005), द राइजिंग, रंग दे बसंती (2006), गांधी (1982), नेताजी सुभाषचंद्र बोस -दी फॉरगॉटेन हीरो (2004), सरदार (1993), बॉर्डर (1997), माँ तुझे सलाम (2002), सरफरोश, लगान, ग़दर -एक प्रेम कथा (2007), लक्ष्य (2004), उरी द सर्जिकल स्ट्राइक (2019), स्वातंत्र्य वीर सावरकर (2023) आदि अनेक फिल्में हैं जो परोक्ष व अपरोक्ष रूप से गांधी जी के जीवन दर्शन से सम्बद्ध हैं। इन सभी फिल्मों में कहीं न कहीं महात्मा गांधी की उपस्थिति देखी जा सकती है।

गांधी जी पर बनी फिल्में व गीत सदा अविस्मरणीय बने रहेंगे। 1954 में बनी फिल्म 'जागृति' इसके गीतों को कवि प्रदीप ने लिखा। इस फिल्म का प्रसिद्ध गाना 'दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल, आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की और 'हम लाए हैं तूफान से किश्ती निकाल के

आज भी हर हिंदुस्तानी की जुबान पर हैं। 1959 'धूल का फूल' इस गाने में गांधी जी के धर्मनिरपेक्षता के संदेश को देखा जा सकता है।1962 में आई फिल्म 'बापू ने कहा था' में एक छोटा बालक किस प्रकार बापू के आदर्शों से प्रभावित होता है और वह बापू के आदर्श को अपने गांव में लोगों को सिखाता है। 'महात्मा- लाइफ ऑफ गांधी' फिल्म 1869 से 1948 तक गांधी जी के जीवन और भारत की आजादी के लिए उनके संघर्षों को दिखाया गया है।

1982 में बनी फिल्म 'गांधी 'को आठ ऑस्कर अवार्ड मिले थे। ऑस्कर के साथ ही वार्ता, ग्रैमी, गोल्डन ग्लोब और गोल्डन गिल्ड समेत 26 अवार्ड प्राप्त हुए थे। यह सिनेमा गांधी जी के बायोग्राफिकल पर बनाया गया था। इस फिल्म में गांधी जी की भूमिका को वेस्टर्न एक्टर बेन किंग्सले ने निभाया था और फिल्म का निर्देशन रिचर्ड एटनबरो ने किया था। 1993 में बनी 'सरदार' गांधी और सरदार पटेल के विचारों में पार्थक्य को दर्शाने में तथा उभय महापुरुषों के रिश्तों को समझने का अवसर देती है। 1996 में आई फिल्म 'मेकिंग ऑफ महात्मा' का निर्माण हुआ। इसमें मोहनदास करमचंद गांधी के महात्मा बनने की कहानी को विस्तार से दिखाया गया। ब्रिटेन और अफ्रीका में रहने के दौरान गांधी जी ने क्या देखा और उससे उनके जीवन में क्या कुछ बदलाव हुआ। इस पूरी यात्रा को काफी प्रभावी ढंग से इस फिल्म में दिखाया गया है।

सन् 2000 में बनी फिल्म 'हे राम' में विभाजन के बाद फैली अशांति और गांधी जी की हत्या के बीच की कहानी का फिल्मांकन किया गया है। 'मैंने गांधी को नहीं मारा' सन् 2000 में बनी इस फिल्म में फिल्म का नायक यह स्वीकार करता है कि उसने ही गांधी को मारा। किंतु, फिल्म में नायक की पुत्री यह पता लगाने की कोशिश करती है कि क्या सच में उसके पिता ने गांधी की हत्या की है या कुछ और बात है। सन 2000 में बनी फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' यह फिल्म न केवल गांधी जी के ऊपर बनी थी बल्कि इसमें उनकी शिक्षाओं पर भी प्रकाश डाला गया। इसमें दिखाया गया है कि आज के जमाने में भी गांधी जी प्रासंगिक क्यों हैं? गांधी जी की विचारधारा को काफी अलग तरीके से प्रस्तुत किया गया है। इस पिक्चर में बड़े ही मनोरंजक ढंग से गांधी जी के किरदार को बड़े पर्दे पर उतर गया है।

फिल्म में संजय दत्त उर्फ मुन्ना भाई गांधी जी की विचारधारा पर चलते हैं और उन्हें कुछ भी गलत करने पर बार-बार बाबू नजर आते हैं। इस फिल्म ने आज के युग में गांधीगिरी को भी प्रचलित किया। 2007 में फिल्म आई 'गांधी माई फादर 'यह फिल्म महात्मा गांधी और उनके बेटे हरिलाल के रिश्ते पर बनी थी। फिल्म में यह दिखाया गया है कि हरिलाल को लगता है कि देश के पिता होने के बावजूद महात्मा गांधी उनके लिए एक अच्छे पिता होने में असफल रहे। इस फिल्म को नेशनल अवार्ड मिला था। 'गांधी द कॉन्सपिरेसी' यह फिल्म भारत विभाजन के बाद से गांधी जी के हत्या तक के घटनाक्रम पर आधारित है इस फिल्म में हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों के कलाकारों ने किरदारों की भूमिका निभाई है।

दीपा मेहता की फिल्म ' वाटर 'में महात्मा गांधी का संदर्भ कई बार आता है। 1918 में बनी महात्मा विदुर, स्वदेश और टॉयलेट एक प्रेम कथा, शिखर, रोड टू संगम में भी गांधी जी के प्रभाव को देखा जा सकता हैं। इन फिल्मों में स्वतंत्रता काल के गांधीवाद से लेकर आधुनिक काल तक की गांधीगिरी दर्शकों को बहुत पसंद आई। फिल्मों ने स्वतंत्रता से पूर्व और स्वतंत्रता के बाद गांधी के विचारों को समाज में पहुंचाया। वास्तव में सिनेमा ने किताबों में लिखे महात्मा गांधी के चरित्र, विचार व दर्शन को बाहर निकाल कर पूरे देश में फैलाया हैं। पहले समाज में फिल्मों को देखना अच्छा नहीं समझा जाता था। लोग चोरी से पिक्चर देखने जाते थे जिससे घर वालों को पता न चले। गांधी जी ने भी अपने जीवन में फिल्मों से सदा परहेज किया किंतु फिल्मों ने उनको विश्व पटल पर ला खड़ा किया। फिल्मों में देश और समाज की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक ,सांस्कृतिक सभी ज्वलन्त समस्याओं को प्रदर्शित किया जाता है और कुछ हद तक उनका निवारण भी प्रस्तुत किया जाता है। यदि जिन्होंने गांधी को नहीं पढ़ा हैं, समाज के ऐसे लोग गांधी पर बनी फिल्में देखने जाते हैं तो वे गांधी को समझ सकते हैं। जैसे साहित्य समाज का दर्पण होता है वैसे ही सिनेमा समाज का आईना होता है।

गांधी, गांधीवाद और गांधीगिरी

दृष्टिकोण

डॉ जेन्नी शबनम

लेखिका और कवयित्री

आज पूरा विश्व आतंकवाद से त्रस्त है। हमारे देश में आतंकवाद, अलगाववाद और कट्टरवादी संगठनों की जड़ें इतनी मजबूत हो चुकी है कि तमाम कोशिशों के बाद भी इन पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। हर इंसान अनहोनी और आतंक के साए में जीवन यापन को विवश है। आतंकवाद, अलगाववाद, कट्टरवाद, सम्प्रदायवाद, जातिवाद आदि कितने ही 'वाद' ने जन्म लेकर हमारे देश की आंतरिक व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया है।

किमहात्मा गांधी की पुण्यतिथि कल बीती। गांधी प्रतिमाओं और उनकी तस्वीरों को पिछली जयंती के बाद धोने-पोछने का यह नया अवसर है। प्रत्येक वर्ष ऐसा ही होता है। जयंती और पुण्यतिथि के बीच की अवधि में गांधी जी के साथ कोई नहीं होता, कड़वी बात तो यह है कि बचे-खुचे गांधीवादी भी नहीं। गांधी-विचार से जुड़े संस्थानों में एक दिन और उनके नाम, तस्वीर पर माल्यार्पण, उनके भजन का पाठ और औपचारिकता खत्म! फिर गांधी जयंती तक ख़ामोशी! गांधी जयन्ती का इंतज़ार भी अब इसलिए रह गया है कि उस दिन से खादी के वस्त्र पर छूट मिलना शुरू होता है। कुछ वर्षों में खादी फ़ैशन में आ गया है। खादी का चलन अब सिर्फ़ नेताओं तक सीमित नहीं रह गया। यह ज़रूर है कि गाँधी टोपी अब कम नज़र आती है। खादी के कपड़े बहुत महँगे होते हैं, जबकि सिंथेटिक कपड़े की क़ीमत कम; ऐसे में ग़रीब आदमी खादी कैसे इस्तेमाल में लाए? यह सच है कि खादी या गाँधी को आम जीवन से जोड़ना धीरे-धीरे और भी कठिन होता जा रहा है। उनके सिद्धांतों में किसी को विश्वास है या नहीं, इससे कुछ फ़र्क़ नहीं पड़ता।

गांधी जी के अपने कुछ सिद्धांत थे, जो उन्होंने खुद पर प्रयोग कर तय किए थे। सार्वजनिक हित, अहिंसा, सत्य, करुणा, शाकाहार, सादा जीवन इत्यादि कुछ ऐसे विचार और व्यवहार हैं, जो अब आम जीवन से दूर होते जा रहे हैं।इनकी सार्थकता तो आज भी उतनी ही है; परन्तु जिस तरह से समाज की सोच बदली है, अब ज़रूरी है कि गाँधीवाद को परिमार्जित किया जाए। यानी कि गाँधीवाद की व्याख्या नए सन्दर्भों में की जाए। आज देश के नेता गाँधी के नाम और सिद्धांतों को अपने फ़ायदे के लिए इस्तेमाल में ला रहे हैं। आम जन गाँधी की जीवन शैली को न तो जानता है और न ही उनके सरोकारों से सम्बन्ध स्थापित करने की सोचता है; क्योंकि उसे लगता है कि इस राह पर चलकर खुद को बनाए रखना आज मुश्किल है।

मैं गांधीवादी विचारधारा के गुण-दोष की चर्चा नहीं कर रही, न तो पक्ष-विपक्ष की वकालत कर रही हूँ। परन्तु कुछ ऐसे तथ्य हैं, जो मैं बचपन से देखती आई हूँ। चूँकि मेरा जीवन उस माहौल में बीता है, तो उन कुछ बातों की चर्चा कर रही हूँ। मेरे पिता भागलपुर विश्वविद्यालय में राजनीतिक विज्ञान विभाग में प्रोफ़ेसर थे, गांधीवाद उनके व्याख्यान का मुख्य विषय था। गाँधी-विचार पर उन्होंने अपना शोध-कार्य भी किया था। उनके मृत्युपरान्त उनकी पुस्तक छपी जिसका नाम 'सर्वोदया ऑफ़ गाँधी' है। मेरे पिता न सिर्फ़ गाँधीवाद पढ़ाते थे, बल्कि उनका जीवन के प्रति दृष्टिकोण गाँधीवादी एवं समाजवादी था। इसके साथ वे पक्के नास्तिक थे। इस माहौल में गुज़रा मेरा बचपन मेरे पिता के विचार से प्रेरित हुआ, पर जीवन में पूर्णतः उतार पाना मुमकिन न हुआ। अब उन विचारों से असहमति या आपत्ति नहीं, परन्तु जिस उम्र में ये सब जीती रही, उस समय लगता था कि यह अच्छा नहीं है।

मेरे विचार पर मेरे पिता का पूर्ण प्रभाव पड़ा है, जिससे मेरे सोच का दायरा भी बढ़ा है। मुझे याद है बचपन में मेरे घर में नियम था कि सभी को अपना काम खुद करना है, अपने खाए हुए बर्तन को खुद धोना है। मेरे पिता खुद खादी पहनते थे और मेरी माँ को भी खादी ही पहनना होता था; चाहे कोई भी अवसर हो। हम दोनों भाई-बहन के लिए स्कूल ड्रेस के अलावा सिर्फ़ ज़रूरत भर कपड़ा ख़रीदा जाता था। राजनीतिक या सामजिक रूप से कोई कितने ही बड़े पद पर हो, लोगों से मिलने का समय तय था; सिर्फ़ अपने शोधार्थी छात्रों के लिए वे हर वक़्त उपलब्ध थे। पिता का अधिकतर समय पढ़ने-पढ़ाने और सामाजिक-राजनितिक कार्यों में बीतता था। नाते-रिश्ते में मेरे पिता के जीने के तरीक़े पर आलोचना होती थी; क्योंकि वे जो कहते थे उसे अपने जीवन में उतारते थे, इसलिए आम धार्मिक ख़यालात के लोगों के लिए यह सब नागवार हुआ करता था। मेरे पिता का देहांत वर्ष 1978 में हुआ। उम्र के साथ मुझे समझ आया कि उनके विचार उचित व न्यायसंगत थे। आज के सन्दर्भ में मैं सोचती हूँ क्या ऐसी जीवन शैली आज की पीढ़ी अपना पाएगी?

किसी व्यक्ति के नकारात्मक विचार में मनोवैज्ञानिक तरीक़े से सकारात्मक परिवर्तन ही गाँधीगिरी है। 'गांधीगिरी' शब्द जबरन थोपा या मनवाया गया कोई कार्य-व्यवहार लगता है, परन्तु इसके शब्द स्वरूप पर न जाकर इसे व्यवहार में लाया जाए, तो निश्चित ही विश्व की अधिकांश समस्याएँ स्वतः सुलझ जाएँगी। आज लोग अपने दुःख से दुःखी नहीं हैं, बल्कि दूसरों के सुख से ज़्यादा दुःखी हैं। अपराध करना जैसे आज मनोरंजन का साधन बन गया है और जीवन यापन का सरल सुगम रास्ता। अपराधी को अपने अपराध के लिए शर्मिंदगी भी महसूस नहीं होती है। ऐसे में गाँधीगिरी के द्वारा मनुष्य में चेतना और जागृति उत्पन्न की जाए, ताकि समाज में जागरूकता आए, तो क्या ग़लत है? जागरूक जनता, प्रशासन, न्यायालय, मनोविश्लेषक, मनोचिकित्सक, पुलिस, नेता आदि एकजुट होकर गाँधीगिरी में भागीदार होंगे तभी विध्वंसकारी शक्तियों पर नियंत्रण एवं नज़ात संभव है। जैसे देश की आजादी में गांधीवादी सफल रहा, वैसे ही गांधीगिरी के द्वारा इंसान के मन और चेतना की आज़ादी होगी, जिससे उसमें सही सोच पनपेगा और एक सुनहरे भविष्य को हम देख सकेंगे। फिर पूरा विश्व प्रेम और शांति से रह सकेगा।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रदीप मिश्र

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नगर की सफाई करते बापू !

कल सुबह दरवाजा खोला तो सामने बापू खड़े थे। मैंने कहा, ' प्रणाम् बापू !'

-' खुश रहो !और सुनाओ क्यान हाल हैं तुम्हा रे नगर-गांव के..?'

-' एवन के हाल हैं। आपको मालूम, हमारा शहर स्मार्ट सिटी बन गया है।'

-' वैसे क्या-क्या होगा तुम्हारी स्मार्ट सिटी में?'

-' टॉप-क्लाकस की सफाई होगी। न कोई कचरा, न गंदगी। चलिए घूम आइए, सफाई भी कर लेंगे।लगे हाथ स्वहच्छ ता-अभियान भी हो जाएगा।'

बापू को एक जगह कचरा दिखा और वे सफाई करने लगे। मैंने तत्कील उनका हाथ पकड़ा' बापू! आप यहां सफाई क्यों करने लगे?हमें यहां नहीं वहां, उस तरफ सफाई करनी है।'

-' यहां वाला कचरा कौन साफ करेगा ?'

- ' दूसरे साफ करेंगे। '

-' हमक्योंर नहीं कर सकते? '

-' इसलिए नहीं कर सकते क्यों कि यहां वाला कचरा हमने नहीं फेंकवाया है। जिन्होंने पैसा देकर यहाँ कचरा फेंकवाया है, वे ही यहाँ सफाई करेंगे।'

-' पैसा? क्याा आशय है तुम्हा।रा?'

-' आशय यह है कि कचरा वही साफ करता है, जो पहले उसे फेंकवाता भी है।और कोई मुफ्त में तो कचरा फेंकता नहीं? पैसा दो तो वह कचरा फेंकेगा।' मैंने क्लीीयर किया।

-' चलो तुम्हाकरा कचरा कहां है ?'

-' मैंने राजेन्द्रा नगर में फेंकवाया है, वहीं चलते हैं...उधर देखिए.... वो वाला कचरा हमारा है।'मैं उन्हेंन अपने कचरे की ओर ले गया।

-' तो ये है तुम्हाारा कचरा ?'

-' अच्छा है ना? सिविल लाईंस से उठवाया है! पचास रूपए किलो के भाव सेकुल साढ़े सात किलो है।'

बापू ने कचरा देखते ही सफाई शुरू कर दी। मैंने उन्हें रोका, 'अरे रुकिएये क्याए कर रहे हैं ? '

-' कचरा उठा रहा हूँ।'

-' ऐसे थोड़े उठाते हैं ?'

-' तो कैसे उठाते हैं ?'

-'जानते भी हैं, कचरा उठाने के लिए सबसे जरूरी क्यार होता है?'

-' कचरा!'

-' नहीं, गलत जवाब।'

-' झाड़ू।'

- ' नहीं, ये भी गलत जवाब।'

- ' तो सही जवाब तुम ही बताओ ?'

-' सही जवाब है, फोटोग्राफर! बिना कचरा के कचरा उठ जाएगा, झाड़ू की भी जरूरत नहीं है। पर बिना फोटोग्राफर के साफ-सफाई? इम्पाचसिबुल। हाँ..बाँए देखिए...झाड़ू आगे कीजिए...कचरा सामने रखिए। हाथ गंदा मत कीजिए। बेहतरीन फोटू खिंचरी है ।' फोटो सेशन के बाद मैंने कहा,'सफाई तो हुई, अब और क्याल देखना चाहते हैं इस स्मा र्ट सिटी में ?'

-' नहीं! नहीं! मुझे माफ कर दे बेटा!'बापू गिड़गिड़ाए,'तू तो मुझे स्टेहशन छोड़ दे। मेरी तबीयत खराब हो रही है। मन घबड़ा रहा है। बेचैनी छा रही है।'

ट्रेन के आते ही बापू जनरल डिब्बे में चढ़ गए। फिर मैंने हाथ हिलाकर, भीड़ में गुम हो चुके बापू को एक बार फिर प्रणाम किया।

नवरात्रि का संदेश: नारी सशक्तीकरण

नवरात्रि विशेष

डॉ. सौरभ मालवीय

लेखक सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अध्येता है ।

भारतीय पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। इनसे हमें ज्ञात होता है कि हमारी प्राचीन संस्कृति कितनी विशाल, संपन्न एवं समृद्ध है। यदि नवरात्रि की बात करें तो यह पर्व भी भारतीय संस्कृति की महानता को दर्शाता है। विगत कुछ दशकों से देश में महिला सशक्तीकरण की बात हो रही है। कुछ लोग विदेशों के उदाहरण देते हैं कि वहां की महिलाएं सशक्त हैं तथा उन्हें बहुत से अधिकार प्राप्त हैं। किंतु ये लोग अपने देश के इतिहास पर चिंतन एवं मनन नहीं करते हैं। वास्तव में भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है, जहां महिलाओं को पुरुषों के समान माना गया है। उदाहरण के लिए भारत में देवियों की पूजा-अर्चना की जाती है। यहां पर उन्हें भी देवताओं के समान ही पूजा जाता है, अपितु देवियों का स्थान देवता से पहले आता है जैसे राधा कृष्ण, सीता राम आदि। भगवान शिव के साथ देवी पार्वती की भी पूजा की जाती है। भगवान राम के साथ देवी सीता की पूजा की जाती है । हमारी मान्यता के अनुसार शक्ति की देवी दुर्गा है। धन एवं समृद्धि की देवी लक्ष्मी है तथा ज्ञान की देवी सरस्वती है। कहने का अभिप्राय यह है कि मनुष्य को जीवन में जिन वस्तुओं की आवश्यकता होती है, वह सब उन्हें इन देवियों से ही तो प्राप्त होती हैं। मानव जीवन को अनुशासन में रखने एवं आदर्श जीवन को स्थापित करने के लिए भगवान हमारे विश्वास और श्रद्धा के केंद्र है।

नवरात्रि देवी दुर्गा को समर्पित एक महत्वपूर्ण पर्व है। नवरात्रि का पर्व वर्ष में चार बार आता है अर्थात चैत्र, आषाढ़, अश्विन, माघ। इनमें से चैत्र एवं आश्विन माह में आने वाली नवरात्रि अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। माघ एवं आषाढ़ माह में आने वाली नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है, क्योंकि इनमें कोई सार्वजनिक उत्सव का आयोजन नहीं किया जाता है। आश्विन माह में आने वाली नवरात्रि को शारदीय नवरात्रि कहा जाता है। इसका आरंभ अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि से होता है। इस दिवस पर शुभ मुहूर्त में कलश की स्थापना की जाती है। नवरात्रि में नौ दिन देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है।

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रह्मचारिणी।
तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम।।
पंचमं स्कन्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च।
सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति चाष्टमम।।
नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गाः प्रकीर्तिताः।
उक्तान्येतानि नामानि ब्रह्मणैव महात्मनाः।।

अर्थात देवी पहली शैलपुत्री, दूसरी ब्रह्मचारिणी, तीसरी चंद्रघंटा, चौथी कूष्मांडा, पांचवी स्कंध माता, छठी कात्यायिनी, सातवीं कालरात्रि, आठवीं महागौरी एवं नौवीं देवी सिद्धिदात्री है।

शैलपुत्री

नवरात्रि के प्रथम दिन देवी दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की जाती है। मां शैलपुत्री को सफेद वस्तुएं अत्यंत प्रिय हैं, इसलिए उन्हें सफेद मिष्ठान का भोग लगाया जाता है। यह प्रसाद गाय के शुद्ध घी से बनाया जाता है। सफेद रंग पवित्रता एवं शांति का प्रतीक माना जाता है। जीवन में सर्वाधिक पवित्रता एवं शांति का ही महत्व है। इनके बिना सब व्यर्थ है। देवी की साधना से सुख एवं समृद्धि में वृद्धि होती है।

ब्रह्मचारिणी

नवरात्रि के दूसरे दिन देवी देवी दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की जाती है। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर एवं पंचामृत का भोग लगाया जाता है। शक्कर जीवन में मिठास का प्रतीक है। जिस प्रकार भोजन में मिष्ठान का महत्व है, उसी प्रकार जीवन में मधुर वाणी का महत्व है। मृदु भाषी व्यक्ति सबका मन मोह लेते हैं। देवी की साधना से भाग्य में वृद्धि होती है तथा आयु भी लम्बी होती है।

चंद्रघंटा

नवरात्रि के तीसरे दिन देवी दुर्गा के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की जाती है। मां चंद्रघंटा को दुग्ध से बने मिष्ठान एवं खीर का भोग लगाया जाता है। खीर भी दुग्ध से बनाई जाती है। दुग्ध समृद्धि एवं अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक है। देवी की साधना से व्यक्ति बुरी शक्तियों से सुरक्षित रहता है।

कुष्मांडा

नवरात्रि के चौथे दिन देवी दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कुष्मांडा की पूजा-अर्चना की जाती है। मां कुष्मांडा को मालपुये का भोग लगाया जाता है। देवी की साधना से मनुष्य की समस्त इच्छाएं पूर्ण होती हैं।

स्कंदमाता

नवरात्रि के पांचवे दिन देवी दुर्गा के पांचवे स्वरूप स्कंदमाता की पूजा-अर्चना की जाती है। स्कंदमाता को फल विशेषकर केला अत्यंत प्रिय है, इसलिए उन्हें केले का भोग लगाया जाता है। देवी की साधना से सुख एवं एश्वर्य में वृद्धि होती है।

कात्यायनी

नवरात्रि के छठे दिन देवी दुर्गा के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना की जाती है। मां कात्यायनी को मीठे पान एवं मधु का भोग लगाया जाता है। देवी की साधना से दुखों का नाश होता है तथा जीवन में सुख का आगमन होता है।

कालरात्रि

नवरात्रि के सातवें दिन देवी दुर्गा के सातवे स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना की जाती है। मां कालरात्रि को गुड़ अत्यंत प्रिय है, इसलिए उन्हें गुड़ से बने व्यंजन का भोग लगाया जाता है। देवी की साधना से समस्त नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है तथा सकारात्मकता में वृद्धि होती है। जीवन सुखी हो जाता है।

महागौरी

नवरात्रि के आठवें दिन देवी दुर्गा के आठवे स्वरूप मां महागौरी की पूजा-अर्चना की जाती है। मां महागौरी को नारियल अत्यंत प्रिय है, इसलिए उन्हें नारियल का भोग लगाया जाता है अर्थात नारियल अर्पित किया जाता है। देवी की साधना से व्यक्ति के रुके हुए कार्य पूर्ण होते हैं।

सिद्धिदात्री

नवरात्रि के अंतिम दिन देवी दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन कन्या पूजन का विधान है। कन्याओं की पूजा की जाती है। उन्हें भोजन ग्रहण कराया जाता है। इसके पश्चात उनके चरण स्पर्श कर उनसे आशीर्वाद लिया जाता है। कन्याओं को प्रसाद के साथ उपहार भेंट किए जाते हैं। तदुपरांत देवी को काले चने, हलवा पूड़ी एवं खीर का भोग लगाया जाता है। देवी की साधना से व्यक्ति के समस्त पापों का नाश होता है तथा उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

वास्तव में नवरात्रि का पर्व नारी शक्ति का उत्सव है। प्राचीन काल से ही यह पर्व भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति का प्रतीक रहा है। कन्या पूजन इस बात को सिद्ध करता है कि भारतीय समाज में कन्या का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। कन्या भ्रूण हत्या तथा नवजात कन्याओं का वध कर देने जैसी बुराइयां हमारे समाज में कब और कैसे सम्मिलित हो गईं, ज्ञात ही नहीं हो पाया। निरंतर घटता लिंगानुपात अत्यंत चिंता का विषय बना हुआ है। विदेशों में भारत की जिन बुराइयों का उल्लेख कुछ लोग बड़े गर्व के साथ करते हैं, वे बुराइयों तो हमारे समाज में कभी नहीं थीं। जिस समय विश्व के अधिकांश देश अशिक्षित एवं असभ्य थे, उस समय हमारा देश शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी था। पुरुष ही नहीं, अपितु महिलाएं भी शिक्षित थीं। वे शास्त्रार्थ करती थीं, अस्त्र-शस्त्र चलाती थीं। देवियों ने कितने ही राक्षसों का अकेले वध किया है।

नारी को ईश्वर ने श्रेष्ठ बनाया है। अनेक मामलों में वह पुरुष से उच्च स्थान पर है। वह जन्मदात्री है। जिस प्रकार एक स्त्री अपने बालकों का पालन-पोषण कर लेती है, उस प्रकार एक पुरुष उनका पालन-पोषण नहीं कर पाता। स्त्री पूरे परिवार का संचालन सुंदर तरीके से करती है। नारी संस्कार की जननी है उसके अंदर ममता, स्नेह, उदारता,आत्मीयता ,प्यार ,दुलार आदि गुण जीवन का हिस्सा है । ईश्वर ने नारी को अत्यंत सबल बनाया है। नारी प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता एवं प्रतिभा का सफल प्रदर्शन कर रही है।

विहान की गांधी गाथा से मिला गांधी मार्ग का संदेश

भोपाल। गांधी जयंती के अवसर पर माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान में गांधी गाथा का मंचन हुआ। विहान ड्रामा वर्क्स, भोपाल की इस प्रस्तुति ने न केवल गांधी जीवन के विविध आयाम को बखूबी प्रस्तुत किया बल्कि वर्तमान में गांधी विचार की सार्थकता को भी समझाया। सौरभ अनंत के निर्देशन में विहान टीम ने महात्मा गांधी के बचपन से लेकर उनके महानिर्वाण तक की जीवन यात्रा को गीतों और बेहतर अदायगी के साथ प्रस्तुत किया। गांधी जी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिये' अंत तक इस संदेश के साथ हमारे साथ रहता है कि यह आजादी एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी के साथ आई है।

प्रस्तुति की कला परिकल्पना एवं वस्त्र विन्यास श्वेता केतकर की तो गीत लेखन व संगीत निर्देशन हेमंत देवलेकर का है। मंच पर हेमंत देवलेकर, श्वेता केतकर, तेजस्विता अनंत, अंकित पारोचे, शुभम कटियार, अंश जोशी, रुद्राक्ष भायरे, इशिता आदि गांधी गाथा को जीवंत किया।

माँ के होने के विश्वास का उत्सव है- नवरात्रि

नवरात्रि विशेष

अमित राव पवार

युवा लेखक-साहित्यकार

यह शक्ति ही है,जो इस संपूर्ण सृष्टि को युगों-युगों से संचालित कर रही। पूर्व की अपेक्षा समसामयिक दौर में हम देखते हैं की संयुक्त परिवार की आज अधिक आवश्यकता होने के साथ उसका अपना एक महत्व है जिसमें संस्कार के साथ नारी सुरक्षित रह करती है। पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव होने के कारण हम आज एकल परिवार में जी रहे हैं जिसमें शक्ति की कमी का होना स्वाभाविक है। शक्ति के नौ रूप नारी के रूप में इस संसार को संदेश दे रहे हैं कि अपने संतान के लालन-पोषण से लेकर उसकी सुरक्षा तक का जिम्मा उठाए और समय आने पर अपने सामर्थ्य को भी प्रदर्शित करे भारतीय इतिहास में ऐसी अनगिनत विभूतियां रही जिन्होंने अपनी मातृ भूमि,धर्म,संस्कृति-सभ्यता व अपनी संतान की सुरक्षा के लिए स्वयं को हर परिस्थितिनुसार ढाल लिया किंतु कभी भी अपने चरित्र व समाज पर आंच नही आने दी।

पुष्प का महत्व तब अधिक बढ़ जाता है जब वह सुगंधित हो,उसी प्रकार किसी देश का महत्व तब बढ़ता है जब उस देश में निवास करने वाले नागरिक सुसंस्कृत हो प्रत्येक मनुष्य का शारीरिक,मानसिक और आध्यात्मिक शक्ति का सही दिशा में संचार होना शक्ति को एकत्रित करने का पर्व ही माँ दुर्गा के नवरात्र है। रात्रि का अर्थ ही होता है सिद्धियों को प्राप्त करना। जब माँ अपने बेटे को दुराचारी व नकारात्मक शक्तियों से सामना करने की ताकत प्रदान करती है।

यह शक्ति ही है,जो इस संपूर्ण सृष्टि को युगों-युगों से संचालित कर रही। पूर्व की अपेक्षा समसामयिक दौर में हम देखते हैं की संयुक्त परिवार की आज अधिक आवश्यकता होने के साथ उसका अपना एक महत्व है जिसमें संस्कार के साथ नारी सुरक्षित रह करती है। पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव होने के कारण हम आज एकल परिवार में जी रहे हैं जिसमें शक्ति की कमी का होना स्वाभाविक है। शक्ति के नौ रूप नारी के रूप में इस संसार को संदेश दे रहे हैं कि अपने संतान के लालन-पोषण से लेकर उसकी सुरक्षा तक का जिम्मा उठाए और समय आने पर अपने सामर्थ्य को भी प्रदर्शित करे भारतीय इतिहास में ऐसी अनगिनत विभूतियां रही जिन्होंने अपनी मातृभूमि,धर्म,संस्कृति-सभ्यता व अपनी संतान की सुरक्षा के लिए स्वयं को हर परिस्थितिनुसार ढाल लिया किंतु कभी भी अपने चरित्र व समाज पर आंच नही आने दी। माता जिजाऊ,देवी अहिल्याबाई होलकर,रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती,पन्नाधाय जैसे अनेकों उदाहरण हमारे समक्ष होने के साथ ही प्राचीन काल की विदुषियों में-गार्गी,मैत्रेई,विद्योतमा तथा सावित्रीबाई फुले जैसी-महिला शक्तियों ने समाज में शिक्षा की अलख जगाई व नारी शिक्षा को बढ़ावा दिया।कुछ अनेक दोषों ओर विवादों को छोड़ दे तो आज भी भारत महिला सशक्तिकरण और उसके सम्मान के लिए विश्वभर में पहचाना जाता है। ये बात हमें स्व के गर्व का अनुभव कराती है।आज भारत देश की महिला अंतरिक्ष तक पहुंचने के साथ चांद पर अपना परचम भी लहरा चुकी।

पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव को सूक्ष्म करना है तो हमें संयुक्त परिवार में लौटना ही होगा,तभी हमारी महिलाओं के साथ संस्कार भी सुरक्षित रह पाएंगे क्योंकि स्त्री दो परिवारों का नेतृत्व करती है।अन्यथा महिषासुररूपी दुराचारी ताकतों को बढ़ावा मिलता रहेगा,जिससे संस्कृति-सभ्यता व धर्म को आघात होगा।शिवशक्ति भी हमे सँयुक्त परिवार में रहने का ही संदेश देते है। नवीन को प्राचीन संस्कृति से जोड़ना अर्थात दादी/नानी का अपनी पोती को संस्कार देना यह भी संस्कारों की शक्ति का ही एक रूप है।परिवार व समाज के कारणों से स्त्री के साथ समय-समय पर अनेकों बार भेदभाव किया गया फिर भी वह शक्ति व संस्कारों के बल पर समाज में पुनः अपना खोया मान- सम्मान पाने में कामयाब होती दिखाई देती है। विश्व मे भारत देश ही एक मात्र ऐसा है जो स्त्री के बारे में यत्र नार्यस्तु पुज्यंते रमंते तत्र देवता अर्थात जहाँ नारी का सम्मान होता है,वहा देवता भी प्रसन्न रहते है। यह कहता नजर आता है। यह बात हमारे धर्म ग्रंथों में भी दिखाई देती है।

आज मनुष्य अंधाधुंध कमाने में लगा है संस्कार और धर्म तो जैसे वह कोसों दूर छोड़ चुका है। फिर भी आज भारत देश की महिलाएं माँ दुर्गा के आठ हाथों के समान ही कार्य करते दिखाई दे रही है। परिवार,समाज के साथ देश की सीमा सुरक्षा पर भी तैनात होकर अपनी हर जिम्मेदारी का बखूबी निर्वाह कर रही है। यह हम सर्जिकल स्ट्राइक के समय फाइटर प्लेन उड़ाने वाली महिला फाइटर पायलेट के रुप में देख सकते है। मनजीत नेगी भारतीय वायु सेना की स्क्वाड्रन लीडर, मोहना सिंह,एल सी ए तेजस उड़ाने वाली प्रथम महिला फाइटर बनी तथा भारतीय वायु सेवा में महिलाओं के लिए इन्होंने प्रवेश के द्वार खोल दिए। देवी दुर्गा के नौ रूपों की तरह ही आज हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्त्री नौ रूपों में दिखाई देती है।

माँ के होने के विश्वास का उत्सव है नवरात्रि,वह उत्सव जिसकी सिद्धि का दिन बताता है कि अन्याय कितना भी बड़ा क्यों न हो विजय की दशमी माँ के पूजन से ही होती है।तीन-तीन माह के अंतराल पर वर्षभर में चार नवरात्र होते है। पौष,चैत्र,आषाढ़ तथा अश्विन दो ऋतुओं की संधि पर एक नवरात्र होता है सरल शब्दों में कहे तो एक मौसम जा रहा व एक मौसम आ रहा होता है तब नवरात्र होते हैं।देवी शक्ति ही प्रकृति के रूप में सर्वत्र व्याप्त है। जब प्रकृति अपने रंग परिवर्तित करती है तो उस बदले स्वरूप की आराधना शक्ति की उपासना के द्वारा की जाती है,जिससे मनुष्य का तालमेल बैठ सके तथा आने वाला मौसम भी हमारे अनुकूल रहे यह भावना व्रत में निहित है।जन्म के लिए माँ की कोख,तो पालन पोषण के लिए धरती माँ की गोद और मुक्ति अर्थात अस्थि विसर्जन के लिए मोक्षदायिनी माँ गंगा और अन्य पवित्र नदियां। या देवी सर्वभुतेषु चेतनेत्यभिधीयते सभी जीव जंतुओं में चेतना के रूप में ही माँ / देवी तुम स्थित हो मेरा जन्म भी आपके कारण ही हुआ है।

स्वच्छता की पाठशाला में बैतूल नपा का श्रेष्ठ प्रदर्शन सीएम ने किया सम्मानित

महाअभियान के तहत जिले के 150 स्कूलों में दस हजार बच्चों को पढ़ाया स्वच्छता का पाठ

बैतूल। स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत आयोजित स्वच्छता की पाठशाला महाअभियान में नगर पालिका परिषद बैतूल ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए भोपाल में आयोजित एक गरिमामय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सम्मान प्राप्त किया। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, और भोपाल नगर निगम की महापौर मालती राय भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। यह सम्मान कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित स्वच्छता सम्मान 2024 कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका परिषद बैतूल के इंजीनियर बृजेश खानोतकर, पीडब्ल्यूडी शाखा प्रभारी सुभाष प्रजापति, और नगर पालिका बैतूल की सहयोगी संस्था ओम साईं विजन भोपाल के प्रोजेक्ट मैनेजर मनीष यादव, आशीष गलफट, और संदीप शेषकर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए ऐसे प्रयास बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए मध्यप्रदेश ने निरंतर प्रयास किए हैं, जिसमें बैतूल नगर पालिका का यह योगदान सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा, देश को स्वच्छ बनाने में हर नागरिक का सहयोग जरूरी है और स्वच्छता के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में बैतूल की नगर पालिका का प्रयास एक उदाहरण है।

कार्यक्रम के संचालन के दौरान बैतूल में आयोजित स्वच्छता की पाठशाला का विशेष रूप से उल्लेख किया गया। इस महाअभियान के तहत बैतूल जिले के 150 स्कूलों में लगभग 10 हजार बच्चों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाया गया, जिसे एक ऐतिहासिक कदम के रूप में देखा जा रहा है। बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाने और स्वच्छ भारत अभियान को जनांदोलन में बदलने की दिशा में यह कदम बेहद महत्वपूर्ण माना गया। नगर पालिका परिषद बैतूल के इंजीनियर बृजेश खानोतकर और उनकी टीम को इस आयोजन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सराहा गया। स्वच्छता की पाठशाला के तहत किए गए प्रयासों को महाअभियान का हिस्सा बनाते हुए बैतूल नगर पालिका को यह सम्मान प्राप्त हुआ, जो जिले के लिए गर्व का विषय है।

तालाब में मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश

बैतूल। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम खेड़ी के एक तालाब में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। अभी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक शव दो से तीन दिन पुराना हो सकता है। चौकी प्रभारी राकेश सरयाम ने बताया कि खेड़ी से करीब एक किमी दूर ओम पंवार के खेत में बने तालाब में एक अज्ञात व्यक्ति के शव होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए बैतूल जिला अस्पताल के लिए भेज दिया गया है। श्री सरयाम ने बताया कि मृत व्यक्ति ने नीली टी शर्ट और काला पेंट पहना है। शव पर जगह-जगह मछलियों के काटने के निशान बने हुए हैं और शव से दुर्गंध आ रही है। फिलहाल व्यक्ति के शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे है।

बडोरा में नित्या सेवा समिति ने किया पौधारोपण

फलदार और छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण सुरक्षा का लिया संकल्प

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभियान एक पेड़ मां के नाम और गांधी जयंती तथा लाल बहादुर शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में आज नित्या सेवा समिति द्वारा पंचायत भवन, बडोरा में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर सरपंच, ग्राम वासी, नित्या सेवा समिति के अध्यक्ष बलराम जसूजा, हरीश गढ़ेकर, दीपक पाल, पुण्य

श्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह की सचिव वंदना कुंभारे और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बलराम जसूजा ने इस अवसर पर कहा कि बढ़ते तापमान और पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनजर पूरे बैतूल जिले में वृक्षारोपण का कार्य नित्या सेवा समिति द्वारा निरंतर किया जा रहा है। पिछले एक वर्ष में समिति ने एक हजार से अधिक पौधों का रोपण किया है और उनकी देखभाल की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान भविष्य में और बड़े स्तर पर जारी रहेगा। कार्यक्रम में परमेश्वर रावत, ओंकार भारती, सुकचंद नरवरे, रोशन मगरदे, अजय पांरधे, आजाद सर, नारायण वागद्रे सहित बडोरा बस्ती के कई ग्रामीणों ने भाग लिया और पौधारोपण कार्यों की सराहना की। इस दौरान यादोराव देशमुख ने नित्या सेवा समिति के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए पौधारोपण अभियान में योगदान के लिए समिति का आभार व्यक्त किया। इस अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए समिति ने पूरे जिले में अपने संकल्प को दोहराया और पौधा रोपण को लगातार जारी रखने का वादा किया।

पुलिस की बत्ती लगाकर घूम रही थी कार, यातायात पुलिस ने बनाया चालान

बैतूल। पुलिस की बत्ती लगाकर शहर में घूम रही कार पर पुलिस ने कार्रवाही की है। दरअसल यातायात पुलिस की सघन चैकिंग के दौरान यह कार दिखाई दी, जिस पर पुलिस की बत्ती लगी हुई थी। जब इसकी जांच की गई तो यह अवैध पाई गई। यातायात पुलिस ने बत्ती जब्त कर इनोवा कार के चालक के खिलाफ चालानी कार्यवाही की है। यह इनोवा छत्तीसगढ़ से किसी व्यक्ति को छोडने मुलताई आई हुई थी। यातायात प्रभारी गजेंद्र केन ने बताया कि चैकिंग के दौरान इनोवा कार क्रमांक सीजी 13 एई 5745 में पुलिस की बत्ती लगी हुई थी।

डेढ़ लाख की डकैती का पुलिस ने किया खुलासा, दस आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

बैतूल। तीन दिन पहले सारणी थाना क्षेत्र में हुई डकैती का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि गणेश चौक शोभापुर सारणी निवासी फरियादी मुकेश बुझाड़े ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 28 सितंबर 2024 रात लगभग 1.30 बजे घर के बाहर कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनकर जब वह और पिताजी उठे, तो 5-6 अज्ञात व्यक्ति, चेहरे पर गमछा बाँधे हुए थे, घर के अंदर घुस आए। उनमें से पहले-दो लोग अंदर आए, फिर उनके पीछे 3-4 अन्य व्यक्ति भी आ गए। अज्ञात आरोपियों ने माँ से रुपयों और जेवर (सोना-चाँदी) की मांग की, मना करने पर आरोपियों ने हथियारों से धमकाया। डर के कारण उनकी माँ ने हाथों में पहने सोने के कंगन, सोने का मंगलसूत्र, सोने के कान के टॉप्स और चाँदी की पायल उतारकर दे दी। जिसकी कीमत करीब डेढ़ लाख रूपये थी। आरोपियों ने घर की और भी तलाशी ली और फिर वहां से चले गए। मुकेश ने पुलिस को बताया कि घटना के दौरान आरोपियों के 5-6 अन्य साथी भी बाहर मौजूद थे।

शिकायत के बाद पुलिस ने शुरू की जांच- शिकायत के बाद पुलिस ने धारा 310(2), 311 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। विवेचना के दौरान यह पाया गया कि आरोपियों ने योजना बनाकर डकैती की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने इस मामले में राहुल पिता राजू झा

पाथाखेड़ा, राज पिता प्रमोद मरकाम ओझाढाना, राकेश पिता भागलाल खंडेलवार शोभापुर गाँव, कल्लू पिता शंकर सरेयाम पुत्तिढाना (चोपना) दीपक पिता बालमुकुंद डेहरी आमढाना, रोहित पिता भग्गू नरे डेहरी आमढाना, अफसार उर्फ आदिल पिता आमीन अंसारी जैरी चौक शोभापुर कॉलोनी, परमानंद उर्फ अजय पिता रामगोपाल विश्वकर्मा मैग्जीन कॉलोनी पाथाखेड़ा, राजू पिता किशोर उईके ओझाढाना पाथाखेड़ा और एक नाबालिग को हिरासत में लिया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका- इस मामले को सुलझाने के लिए पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी, एसडीओपी रोशन कुमार जैन के मार्गदर्शन में विशेष टीम का गठन किया गया। जिसमें थाना सारणी निरीक्षक अरविंद कुमरे, उनि सुनील गौर, प्रधान आरक्षक श्रीराम, किशनलाल, अनुप कहार, आरक्षक जितेन्द्र जाट, अनुराग इरपाचे; पाथाखेड़ा से चौकी प्रभारी उनि वशंज श्रीवास्तव, सउनि शिवपाल सिंह इरपाचे, आरबी कुमरे, हरिनारायण यादव सहित अन्य पुलिस स्टॉफ ने मुखबिरों की सहायता से घेराबंदी और नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश की गई। प्रकरण के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय बैतूल में पेश किया गया है।

शाहपुर पुलिस ने लूट की घटना का किया पर्दाफाश

बैतूल/शाहपुर। शाहपुर पुलिस ने लूट की घटना का 24 घंटे में खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 1 अक्टूबर इम्तियाज पिता तवनगर अली (40 वर्ष) निवासी पठान चौक अमरावती (महाराष्ट्र) ने क लिखित आवेदन दिया था। जिसमें बताया कि 29 सितंबर2024 को वह ट्रक क्रमांक सीजी 08, ए- 7757 में रेत भरकर गुवाड़ी खदान से आकोट महाराष्ट्र ले जा रहे थे, तभी बरेठा घाट पर चढ़ते समय मंदिर के पास ट्रक खराब हो गया। जिसके कारण ट्रक को 29 और 30 सितंबर तक उसी स्थान पर रुकना पड़ा। 30 सितंबर की दरम्यानी रात लगभग 2.30 बजे चार अज्ञात व्यक्ति आए और ट्रक के चारों ओर घूमकर उसे घेर लिया। आरोपियों ने फरियादी को ट्रक से नीचे उतारा, जिनमें से दो लोगों के हाथ में कुल्हाड़ी थी और कुल्हाड़ी गर्दन पर रखकर धमकी दी कि अगर उन्होंने किसी को कुछ बताया या शोर मचाया तो उनकी जान ले लेंगे। आरोपियों ने फरियादी के साथ मारपीट की और उनकी जेब से 2500 रूपये निकाल लिये। इसके अतिरिक्त ट्रक के डीजल टैंक के ढक्कन को रॉड से तोडक़र पाइप के माध्यम से छह कुप्पियों में लगभग 150 लीटर डीजल भरकर अपनी कार और दो मोटरसाइकिलों में रख लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 309(4) एवं 309(6) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी राजेश पिता बालक धुर्वे निवासी रामपुर माल बड़ा मोहल्ला, अनिल पिता प्यारे मर्सकोले निवासी दुल्हारा चोपना और राजू धुर्वे पिता शिव धुर्वे निवासी टावर के पास ग्राम बरेठा को एनएच 46 हाईवे से गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से एक सफेद रंग की टाटा इंडिगो कार, क्रमांक एमपी 28, सी 8517, डीजल से भरी हुई कुल छह कुप्पियां, जिनमें कुल 100 लीटर डीजल, दो कुल्हाडियां, एक रॉड, एक चुंगी, 5 फुट लंबी पाइप और एक मोबाइल जब्त किया, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 3,17,000 हजार रूपये बताई है। इस कार्रवाही में सउनि सुनील कैथवास, सउनि ओ.पी. गढ़वाल, सउनि भीकम सिंह राज, प्रआर 359 मुकेश सिंह साध, प्रआर 193 सेवक लाल कलमे, आर 18 शिवेन्द्र तोमर, आर 228 नीरज पाण्डेय, आर 117 जयकिशन विश्वकर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

कांग्रेसजनों ने महात्मा गांधी के आदर्शों और उनके योगदान को किया स्मरण

गांधी चौक कोठीबाजार में राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, विचारों पर हुआ मंथन

बैतूल। जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार, 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर कोठी बाजार स्थित गांधी चौक पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर कांग्रेस जनों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके संदेशों का वाचन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य गांधी जी के विचारों और उनके संदेशों को जनमानस तक पहुंचाना था। कांग्रेस नेता हेमंत वागद्रे ने कहा, गांधी जी के विचार हमें सिखाते हैं कि अहिंसा, सत्य और शांति से ही हम अपने समाज को बेहतर बना सकते हैं। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने स्वतंत्रता संग्राम के समय थे। वहीं, निलय डागा ने कहा, महात्मा गांधी का जीवन समर्पण और त्याग का प्रतीक है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेता रामू टेकाम ने गांधी जी के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा, गांधी जी ने हमें सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। उनका जीवन संघर्ष और समाज सेवा का जीवंत उदाहरण है। अनुराग मिश्रा ने कहा, गांधी जी ने

स्वतंत्रता संग्राम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए समाज को एक नई दिशा दी। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के विभिन्न पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें अरुण गोठी, नवनीत मालवीय, ब्रज पांडे, मोनू बडोनिया, अजबराव झारबड़े, राजेश गावंडे, प्रफुल्ल पाल, मोनू वॉग, नफीस खान, कादिर खान, प्रेरणा शर्मा, मोनिका निरा पूरे, पुष्पा पेंड्रम, मनीष देशमुख, मिथिलेश राजपूत, आकाश भाटिया, अजय मिश्रा समेत कई अन्य शामिल रहे। कांग्रेस जनों ने महात्मा गांधी के आदर्शों और उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन और उनके विचार हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे।

गांधी जयंती पर एनएसयूआई ने अस्पताल में बांटे फल

बैतूल। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर एनएसयूआई ने जिला चिकित्सालय में फल वितरण किया। 2 अक्टूबर को एनएसयूआई जिला अध्यक्ष जैद खान के नेतृत्व में गांधी जी के आदर्शों को याद करते हुए, मरीजों को फल वितरित किए गए। जैद खान ने बताया कि गांधी जयंती के दिन पूरे देश में महात्मा गांधी का जन्मदिवस मनाया जाता है, जिसे अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मान्यता दी गई है। इस अवसर पर मुख्य रूप से निलेश धुर्वे, नितिन विश्वास, अंकित ताम्रकार, निखिल बारस्कर, नितिन जोंजारे, संजय कोलकर, राहुल मालवीय, शेख अकीब, जुनैद अली और गौरव पंडोले जैसे एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने गांधी जी के सिद्धांतों का पालन करने और उनके द्वारा दिखाए गए अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। एनएसयूआई के इस प्रयास को जनता द्वारा सराहा गया, और गांधी जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया गया।

खाटू श्याम के भजनों पर जमकर झूमे श्रोता

विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने पूजा अर्चना कर किया शुभारंभ

बैतूल। श्री अग्रसेन महाराज जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा जिला इकाई के द्वारा खाटू श्याम भजन संध्या का आयोजन गत रात्रि रामकृष्ण बगिया गंज में किया गया। भजन संध्या का शुभारंभ बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल और आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋचु खण्डेलवाल ने पूजा अर्चना कर किया। मुख्य अतिथि श्री खण्डेलवाल का स्वागत अग्रवाल समाज के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज के सदस्य संजू अग्रवाल ने किया। आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋचु खण्डेलवाल का स्वागत नपा बैतूल की ब्रांड एम्बेसेडर श्रीमती नेहा गर्ग एवं अग्रवाल महिला महासभा की पदाधिकारी श्रीमती चांदनी अग्रवाल ने किया। अतिथियों का स्वागत मध्यप्रदेश युवा अग्रवाल महासभा के जिला इकाई के अध्यक्ष सजल गर्ग एवं उपाध्यक्ष प्रयंक अग्रवाल ने किया।

भजन संध्या में प्रसिद्ध गायक जोड़ी निखिल श्याम ने अपने भजनों से समा बांध दी। भजन संध्या की शुरूवात गणेश वंदना से हुई जिसमें मेरे लाड़ले गणेश प्यारे-प्यारे माता पार्वती के दुलारे गणेश के भजन से हुई। इसके बाद जो खेल गए प्राणों पर श्रीराम के लिए एक बार तो हाथ उठा लो मेरे हनुमान के लिए, एक बार तो ताली बजा लो मेरे हनुमान

के लिए। जैसे ही हनुमान जी के लिए यह भजन गाया गया कार्यक्रम स्थल तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा। गायक निखिल और श्याम ने जब कीर्तन की है रात सेवा में धारी बिछ जानो है भजन गाया तो श्रोता अपने आपको रोक नहीं पाए और झूम उठे। इसके साथ ही उन्होंने खाटू वाले श्याम तेरा आज कीर्तन है जैसे भजन गाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में उद्योगपति मुकेश खण्डेलवाल, श्रीमती किरण खण्डेलवाल, पूर्व विधायक निलय डागा, श्रीमती दीपाली डागा, डॉ. कांत दीक्षित, राजेश आहूजा, रंजीत शिवहरे, मयूर भार्गव, प्रदीप खण्डेलवाल सीए, अभीजर हुसैन, फरीदा बोहरा, प्रेमशंकर मालवीय, अनिल राठौर, डॉ. नूतन राठी, डॉ. मनीष लश्करे, डॉ. जय पोपली, डॉ. मनोज अग्रवाल, डॉ. स्मिता राठी, डॉ. नमिता लश्करे, धीरू शर्मा, अमित पटेल, राजेंद्र गुप्ता, सुनील पलेरिया, संजय पप्पी शुक्ला, अम्बेश बलुवापुरी, हेमंत मालवी, विरेंद्र चौहान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में अग्रवाल युवा महासभा के जिलाध्यक्ष सजल गर्ग ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भजन गायकों के द्वारा दी गई शानदार प्रस्तुति से श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। उन्होंने मुख्य अतिथि सहित कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समाज के द्वारा इस कार्यक्रम की सराहना की गई।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत आयोजित हुआ कार्यक्रम

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ कार्यक्रम का शुभारंभ

बैतूल। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत, खरीफ 2024 में मेरी पॉलिसी मेरे हाथ, पॉलिसी वितरण कार्यक्रम का क्रियान्वयन एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया गया। जिसमें राज्य सरकार के आदेश अनुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत मौसम खरीफ 2024 में बीमित कृषकों को पॉलिसी वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन, एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे के द्वारा किया गया। जिसमें डिप्टी डायरेक्टर ऑफ़ एग्रीकल्चर आनंद कुमार बडोनिया, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के जिला प्रबंधक राकेश कुमार बैरवा, जिला पंचायत समिति सदस्य आनंद प्रजापति, जनपद

पंचायत सीईओ भीमपुर अभिषेक वर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष महेश राठौर, जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र कवड़े, रेड क्रॉस सोसायटी अध्यक्ष डॉ. अरुण जयसिंह पूरे, पार्षद पिंटू परिहार एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत मेरी पॉलिसी मेरे हाथ कार्यक्रम का क्रियान्वयन जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर में किया जाएगा एवं बीमित कृषको को पॉलिसी वितरण किए जाएंगे।

सरपंच पर नकली पट्टा देने और लोगों द्वारा परेशान किये जाने का लगाया आरोप

एसपी ऑफिस आवेदन देने आई महिला ने खाया जहर, हालत स्थिर

बैतूल। एक महिला ने एसपी कार्यालय में जहर खा लिया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया है। महिला का आरोप है कि गांव के कुछ लोग उसे परेशान करते है। सरपंच ने मुझे नकली पट्टा दिया है तो वो मुझे अलग परेशान करता है। मैं थाने जाती हूं तो मुझसे बदसलूकी होती है। कोई कार्रवाई ठीक से नहीं होती है, यह कहना है सोहागपुर के बंजारीढाना की महिला प्रियंका झारे का, जिसने मंगलवार शाम एसपी ऑफिस में जहर खा लिया। महिला का आरोप है कि इन लोगों द्वारा मुझे परेशान करके रखा है। दिन-रात मारने की धमकी दी जाती है। महिलाएं बोलती हैं कि मैं कपड़े ठीक नहीं पहनती हूं, मैं चरित्रहीन हूं, मैं गंदा काम करती हूं। इसकी मेरे पास रिकार्डिंग भी है। यह लोगों मेरी जान के दुश्मन बन गए है। मेरे पति, मेरे बच्चे और मुझे जान का खतरा है। मैं जैसा बताती है वैसी एफआईआर दर्ज नहीं की जाती। जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद है। मैं

दस महीने से परेशान हूं, इसलिए मुझे यह कदम उठाना पड़ा।

फिलहाल महिला की हालत स्थिर- महिला जनसुनवाई में अपनी फरियाद लेकर कलेक्ट्रेट के पास पहुंची थी। हालांकि, देरी से पहुंचने के कारण वहां वह आवेदन नहीं दे सकी। जिसके बाद महिला एसपी कार्यालय पहुंची, जहां आवेदन दे पाती उससे पहले ही उसने साथ लाया जहर खा लिया। लोगों ने एएसपी को जब इसकी जानकारी दी तो उसे तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला की हालत फिलहाल स्थिर है। महिला ने बताया कि महिला का पति एक शुगर फैक्ट्री में लैब टेक्नीशियन है। दोनो ने प्रेम विवाह किया है। महिला का आरोप है कि पिछले 16 अगस्त को गांव की ही एक महिला ने उस पर धारदार हथियार से हमला किया था। लेकिन पुलिस ने इस मामले में सही एफआईआर नही की।

सरपंच पर नकली पट्टा देने का आरोप- महिला ने सरपंच पर नकली पट्टा देने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि सरपंच ने उसे घर बनाने के लिए जो पट्टा दिया है, वह भी फर्जी है। जिसके कारण भी उसे प्रताडऩा उठानी पड़ रही है। महिला के पति का कहना है कि मेरे घर के बाजू में जिसने कब्जा किया था, उससे हमें बहुत दिक्कत परेशानी हो रही है। हमने 181 पर शिकायत की। जिसका निराकरण 15 सितंबर को हुआ। उनका मकान टूटा तो उन्होंने 16 सितंबर को आकर मारपीट की। पुलिस ने काउंटर केस बना दिया, जबकि हमने सारे सबूत दिखाए। हथियार भी दिया फिर भी पुलिस ने हमारी नही सुनी। मेरी पत्नी ने तनाव में आकर जहर खा लिया।

कोतवाली टीआई को सौंपी मामले की पड़ताल

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी निश्चल एन झरिया ने कोतवाली टीआई देवकरण डहरिया को मामले की पड़ताल सौंपी है। जानकारी मिली है कि पुलिस पीड़ित महिला की शिकायत पर पहले दो बार एफआईआर दर्ज कर चुकी है। जिसमें एक मामले में चालान भी पेश हो चुका है, जबकि दूसरे मामले में चालान पेश किया जाना है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जांच के बाद ही सहीं जानकारी सामने आ पायेगी।

इनका कहना है -

महिला ने 24 अगस्त को चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। 16 सितंबर को भी उसने दो अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। दोनों मामलों में जांच पूरी हो गई है। महिला की शिकायत है कि उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। वह फर्जी पट्टा देने की भी शिकायत कर रही है। उसके आवेदन में सच्चाई पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

- निश्चल झारिया, एसपी बैतूल

टीएल बैठक में की गई सीएम हेल्पलाईन तथा विभागीय गतिविधियों की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार द्वारा समय सीमा वाले पत्रों तथा सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की समीक्षा की गई। उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को गंभीरता के साथ सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों का सतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में छात्रवासों तथा स्कूलों का निरीक्षण करने, समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु किसान पंजीयन, खाद वितरण आदि की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग, पीएचई, पंचायत, वन, महिला बाल विकास सहित अन्य विभागों की समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में नागरिकों का समस्याओं का किया गया निराकरण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार प्रति मंगलवार की भांति कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज अग्निवंशी द्वारा नागरिकों की समस्याओं, आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त अधिकांश आवेदन आर्थिक सहायता, पीएम आवास, खाद्यान्न पात्रता पर्ची, विद्युत बिल, सामाजिक सुरक्षा पेंशन आदि से संबंधित थे। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई से वायोवृद्ध अर्जुन को मिली इलाज की सुविधा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा आहूत की जा रही जनसुनवाई कार्यक्रम में आवेदको के आवेदनो पर त्वरित कार्यवाही हो रही है आवेदकगण प्रसन्नचित मुद्रा में जनसुनवाई कक्ष से रवाना हो रहे है। एक अक्टूबर को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में अहमदपुर चौराहा के वायोवृद्ध अर्जुन प्रसाद शर्मा ने अपना आवेदन कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के समक्ष प्रस्तुत करते हुए शारीरिक बीमारियों के इलाज की व्यवस्था कराने से अवगत कराया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने आवेदक को तुरंत इलाज के प्रबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश मौके पर मौजूद सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ शिषिर रघुवंशी को दिए। शासकीय वाहन से अर्जुन प्रसाद शर्मा को जिला चिकित्सालय लाया गया और यहां सिटी स्कैन, एक्सरे व रक्त संबंधी परीक्षण निःशुल्क उपचार कराया गया है। सिविल सर्जन डॉ रघुवंशी ने बताया कि वायोवृद्ध 64 वर्षीय आवेदक श्री अर्जुन प्रसाद शर्मा ने कमर में दर्द, झुनझुनी और पैरो में चलने में हो रही दिक्कतो संबंधी बीमारी को ठीक कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। श्री शर्मा को सर्जिकल वार्ड में भर्ती कर इलाज प्रक्रिया संचालित की जा रही है।

बिच्छापुर में विद्यार्थियों को पाक्सो एक्ट के प्रावधानों की जानकारी दी

हरदा (निप्र)। महिला बाल विकास के सेक्टर पर्यवेक्षक पूजा चौहान ने मंगलवार को ग्राम बिच्छापुर के शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उपस्थित विद्यार्थियों को मिशन वात्सल्य के तहत लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की जानकारी दी। उन्होने इस दौरान विद्यार्थियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम एवं उदिता योजना के तहत बालिकाओं को स्वच्छता संबंधी जानकारी भी दी। उन्होने बिच्छापुर की प्राथमिक शाला में छोटे बच्चों को बालको का संरक्षण अधिनियम के तहत सरल भाषा में गुड टच एवं बेड टच की जानकारी दी। इस दौरान बच्चों को शिक्षाप्रद ÷कोमल÷ फिल्म भी दिखाई गई। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वार्ड नंबर 22, 23 में मचा पानी के लिए हाहाकार..

● परेशानी हल नहीं करवा पा रहे पार्षद रो दिए..

नर्मदापुरम। साहब अब तो हद हो गई नगरपालिका के जिम्मेदारों की ये तो पार्षद की भी सुनने को तैयार नहीं..? नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का खौफ क्या आया उन्होंने विरोधी पार्षदों पर खौफ लाद दिया.. ! दो दिन पहले जबकि राज्य सभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया जो पूर्व में नपाध्यक्ष रह चुकी उन्होंने सांसद दर्शन सिंह चौधरी की उपस्थिति में नपाध्यक्ष सहित पार्षदों को नागरिकों के कार्य सम्पन्न कराने के टिप्स दिए राज्यसभा सांसद ने कहा था अध्यक्ष को पार्षदों के प्रति विनम्र व्यवहार रखना चाहिए। वे जनता से चुने हुए होते हैं और उनके कार्यों को प्राथमिकता से करना चाहिए लेकिन पार्षदों की सुनी नहीं जा रही। पहले वार्ड नंबर 19 की पार्षद पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती मीना वर्मा की नपाध्यक्ष को लेकर शिकायत थी

और अब वार्ड नंबर 22 के पार्षद संतोष उपाध्याय की भी वही शिकायत है। उनके वार्ड सहित वार्ड नंबर 23 में गत 10 बारह दिनों से पानी नहीं आ रहा, उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी से चर्चा की मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने उन्हें बताया कि उनकी शिकायत उन्होंने जलप्रदाय कार्य देख रहे अधिकारी आयुषी रिछारिया को नोट करा दी और बता दिया आपकी समस्या हल हो जाएगी। लेकिन समस्या का हल नहीं निकला, श्री उपाध्याय का कहना है जलप्रदाय अधिकारी यहां ध्यान नहीं दे रही। यहां तीन ट्यूबवेल पहले ही बंद हैं पानी का हाहाकार है, हिन्दुओं की नवरात्रि सिर पर है पानी को लेकर किल्लत मच रही है। पार्षद अपनी व्यथा कहते हुए रो रहे थे जैसे पानी के लिए उनके वार्डवासी उनके सामने रो रहे। श्री उपाध्याय का कहना है वार्ड वासी अपनी समस्या तो पार्षद से कह सकता है लेकिन पार्षद अपनी परेशानी किससे कहें.. ! वार्डवासियों के प्रति यह अन्याय है। वैसे देखने में आ रहा है नगर में करोड़ों की अमृत योजना से जनता को पहले कर्जदार बना दिया और अब उन्हें पानी से वंचित किया जा रहा है ...? आए दिन कहीं-न-कहीं की प्लास्टिक की पाइप लाइन डेमेज हो जाती, वह सुधार पाएं उससे पहले दूसरी जगह लाइन फूटने की खबर आ जाती, सौभाग्य से इस बार एक नहीं क्षेत्र को दो सांसद मिलें हैं। उन्होंने अपने स्वागत समारोह में यह आश्वासन दिया था कि नगर में कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जायेंगे परिषद की बैठक में भाग लेने के उपरांत उनकी यह परीक्षा की घड़ी है।

बीमारियों के नियंत्रण हेतु अंतरविभागीय बैठक में जिम्मेदारियों सौंपी गई

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग (डेंगू) नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अंतरविभागीय समन्वय की आपूर्ति हेतु बैठक आयोजित की गई थी। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला मलेरिया अधिकारी को निर्देशित किया है कि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिन विभागो से सहयोग अपेक्षित है उन विभागो के जिलाधिकारियों के साथ सतत सम्पर्क बनाए रखे और क्या-क्या मदद चाहिए कब चाहिए कैसे प्राप्त करेंगे इत्यादि की कार्य योजना तय कर सहयोग प्राप्त करें। बैठक में विभिन्न विभागो के दायित्वों, सुझावो से पीपीटी के माध्यम से जानकारियां दी गई। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के उद्देश्य तहत बतलाया गया कि डेंगू तथा अन्य वेक्टर जनित रोगो पर नियंत्रण व होने वाली मृत्युओं पर नियंत्रण के लिए क्या-क्या कार्य करें ताकि मलेरिया और डेंगू से सुरक्षित बने रहें। उक्त बैठक में मलेरिया विभाग के द्वारा अब तक संपादित किए गए कार्यो की बिन्दुवार जानकारियां दी गई वही डेंगू, बुखार किन कारणो से होता है के नियंत्रण के उपाय, लक्षण तथा चिकित्सको से सम्पर्क इत्यादि से अवगत कराया गया है। उक्त कार्यशाला में व्यक्तिगत सुरक्षा, मच्छरो के प्रजनन क्षेत्र, मच्छरो की पहचान, डेंगू की जांच के साथ-साथ अंतरविभागीय समन्वय तहत नगरपालिका, जनपदो, ग्राम पंचायतो, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा एवं आदिम जाति कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन विभाग, आयुष विभाग, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, जनसम्पर्क विभाग इत्यादि के माध्यम से संपादित किए जाने वाले कार्यो की जानकारियां पावर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुत की गई है।

संयुक्त कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

बैतूल (निप्र)। संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद ने मंगलवार को जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और विभागीय अधिकारियों को आवेदनो के समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 167 आवेदकों की समस्याएं सुनी गई। इस अवसर पर एसडीएम श्री राजीव कहार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम पंचायत पाढर के सरपंच अमित कुमरे ने पाढर में हो रहे अवैध अतिक्रमण की शिकायत की। प्राप्त आवेदन पर संयुक्त कलेक्टर श्री अहमद ने शाहपुर एसडीएम को आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुलताई विकासखंड के ग्राम खल्ला निवासी कैलाश पिता सदाराम सूर्यवंशी ने आवेदन के माध्यम से बताया कि लोक सेवा केन्द्र मुलताई में आवेदन देने के बाद भी खेत का सीमांकन नहीं किया गया। प्राप्त आवेदन पर संयुक्त कलेक्टर श्री अहमद ने मुलताई तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। आठनेर तहसील के ग्राम अंधेर बावुडी निवासी सुभाष सहित अन्य द्वारा मजदूरी का भुगतान किए जाने के दिए गए आवेदन पर संयुक्त कलेक्टर श्री अहमद ने अनावेदक पक्ष को बकाया राशि का भुगतान किए जाने हेतु पत्र प्रेषित किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

कलेक्टर की पहल पर रंगई घाट को साफ-स्वच्छ कर बढ़ाई सुंदरता

विदिशा (निप्र)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के निहित बिंदुओं के अंतर्गत कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा जिले में सफाई व्यवस्था के साथ-साथ नदी व घाटो में श्रमदान व सफाई गतिविधियां आयोजित कर शहर की सुंदरता बढ़ाने की विशेष पहल की गई है जो अब रंग ला रही है।

विदिशा के रंगई स्थित श्री बाढ़ वाले गणेश मंदिर बेतवा रंगई घाट को विगत दिनों कलेक्टर श्री सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला एवं विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारी, कर्मचारियों, सफाई मित्रों, आम नागरिकों और सामाजिक संगठनों सहित 1000 से अधिक की संख्या में प्रतिभागियों ने श्रमदान कर साफ-सफाई का कार्य किया था। जिसके परिणाम स्वरूप अब बेतवा का रंगई घाट साफ स्वच्छ और सुंदर नजर आ रहा है शहर में प्रवेश करने वाले अन्य जिलों के नागरिक भी घाट की सुंदरता को निहार रहे हैं। विदिशा के रंगई स्थित श्री बाढ़ वाले गणेश मंदिर के बेतवा नदी घाट पर विदिशा नगर के रहवासी अपने परिवार के साथ शाम के समय पहुंचते हैं जो घाट पर की गई साफ-सफाई व सुंदरता के लिए किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हैं। अब इस घाट पर पहुंचने वालों की संख्या और अधिक हो गई है।

श्रमदान में सहभागिता कर घाट को किया था साफ-स्वच्छ

जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारियों, सफाई मित्रोऔ सहित अन्य प्रतिभागियों ने विगत दिनों स्वच्छता अभियान चलाकर स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर बेतवा के रंगई घाट को श्रमदान कर साफ-स्वच्छ किया था। इस दौरान यहां से बड़ी मात्रा में कचरे को एकत्रित कर ट्रैक्टर-ट्राली के माध्यम से नगर पालिका के प्रसंस्करण केंद्र पहुंचाया गया था।

नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सफाई मित्र निभा रहे हैं महत्वपूर्ण भूमिका

रायसेन (निप्र)। नगर को साफ, स्वच्छ बनाए रखने में स्वच्छता मित्रों की भूमिका बहुत अहम है। वे समाज के ऐसे सदस्य हैं जो हमारे शहरों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। सफाई मित्र सुबह से रात तक सड़कों, गलियों और सार्वजनिक जगहों की सफाई करते हैं। कूड़ा-कचरा उठाते हैं और उसे सही तरीके से निपटाते हैं। सफाई मित्रों की वजह से ही नगर स्वच्छ, सुरक्षित, और स्वस्थ रहते हैं। रायसेन नगर पालिका में कार्यरत सफाई मित्र श्री निर्मल वाल्मिक विगत लगभग 09 सालों से नगर को साफ, स्वच्छ बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमारा रायसेन स्वच्छ और सुंदर हो तथा नागरिक भी स्वस्थ्य तथा रोगमुक्त रहें, इसके लिए सफाई मित्र सुबह और रात्रि के समय सड़कों एवं गलियों की सफाई करते हैं। सफाई मिलत्र निर्मल ने बताया कि नगर पालिका रायसेन द्वारा समय-समय पर सुविधाएं और सुरक्षा उपकरण ग्लब्स, बरसात से बचाव हेतु रैनकोट, जूते, ठंड से बचाव हेतु जैकेट आदि सामग्री प्रदान की जाती है। श्री निर्मल वाल्मिक ने बताया कि उन्हें तथा परिवार के सदस्यों को शासन द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं का भी लाभ मिलता है। इसके लिए सफाई मित्र श्री निर्मल वाल्मिक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हैं।

जनसुनवाई कार्यक्रम में 141 आवेदन प्राप्त हुए

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा आहूत साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में अधिकांश आवेदनों का निराकरण हो रहा है। कलेक्टर स्वंय तमाम आवेदनों के निराकरणो की विभागवार पृथक-पृथक समीक्षा कर रहे है। जिसमें विगत जनसुनवाई के लंबित आवेदनों पर निराकरण की अद्यतन स्थिति से अधिकारी अवगत करा रहे हैं। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में खण्ड स्तरीय अधिकारी भी सीधे वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुडे रहते है और आवेदको के आवेदनों से अवगत होकर निराकरण की पहल कर रहे है। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा एक अक्टूबर को आयोजित की गई जनसुनवाई कार्यक्रम में 141 आवेदकों ने अपने आवेदन प्रस्तुत कर व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा मौके पर 65 आवेदनो का निराकरण किया गया है।

शासकीय विद्यालयों में लगातार जारी है स्वच्छता ही सेवा अभियान

नरसिंहपुर। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिले में 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में जनप्रतिनिधि, शासकीय अधिकारी- कर्मचारी, स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारी, स्कूली विद्यार्थी और आम नागरिक शामिल हो रहे हैं।

इसी क्रम में जिले के शासकीय स्कूलों में लगातार स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। शासकीय हाई स्कूल हीरापुर- चीचली, शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल बम्होरी- तेंदूखेड़ा, शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा, शासकीय नवीन माध्यमिक शाला घरारू सहित अन्य स्कूलों में स्व'छता संबंधी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों व स्कूल स्टाफ द्वारा विद्यालय एवं परिसर की साफ- सफाई कर स्व'छ बनाये रखने का संदेश दिया जा रहा है। शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा द्वारा स्वच्छता रैली निकालकर नागरिकों को स्व'छता अभियान से जुड़ने और साफ-सफाई करने के लिए प्रेरित किया। शासकीय माध्यमिक शाला तलापार में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में ब'चों ने चित्रकला के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। इसी प्रकार शासकीय प्राथमिक शाला इमलिया, शासकीय प्राथमिक शाला देवारीकला, शास.प्राथ. शाला देवरीकला के मेहरा टोला, एकीकृत माध्यमिक शाला बीटीआई नरसिंहपुर में स्वच्छता की शपथ दिलाई।

सक्रिय सहभागिता ही ग्राम विकास का आधार बनेगी- मंत्री श्री पटेल

ग्राम पिपरिया में आयोजित ग्रामसभा में शामिल हुए मंत्री श्री पटेल

नरसिंहपुर। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में सभी लोगों को आना चाहिये। गांव के विकास व गांव के उत्थान के लिए ग्रामसभा में जरूर जायें। गांव के विकास में जो पैसा लगाया गया है, उसका सुनियोजित तरीके से प्रबंधन हो। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। यह बात मंत्री श्री पटेल ने करेली विकासखंड के ग्राम पिपरिया में आयोजित ग्राम सभा में कही। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ से लाभान्वित भी किया गया।मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम सभा अपने क्षेत्र में अपने सदस्यों के हितों, पर्यावरण में सुधार और स्थानीय रोज़गार बढ़ाने के लिए कार्यक्रम बनाती है। लोगों की भागीदारी के माध्यम से ग्राम स्वराज प्राप्त करना है। ग्राम सभाएं केवल अतीत पर चिंतन करने का समय नहीं हैं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन करने का एक अवसर भी है। बुजुर्गों के ज्ञान का सम्मान करके और महिलाओं व युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देकर ये सभाएं जमीनी स्तर पर लोकतंत्र और शासन की जड़ों को मजबूत करेंगी।मंत्री श्री पटेल ने कहा कि शासकीय भूमि पर अंधाधुंध अतिक्रमण नहीं हो। खाली पड़े शासकीय भूमि पर स्कूल, अस्पताल और आंगनबाड़ी भवन बनाकर लोगों को सुविधायें मुहैया करा सकते हैं। इसके लिए आपस में बैठक यह निर्णय करें कि हमारे लिये ही इन जगहों का उपयोग होगा।आज पूरे प्रदेश में आज ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि अपने गांव की भलाई और विकास के लिए आपको फैसले लेना होगा। पंचायतों को भी पुरस्कार तभी मिलता है, जब वह स्वावलम्बी हो जायें। पंचायत अगर आत्मनिर्भर हो तो प्रदेश का भविष्य उज्जवल होगा। हम सभी मिलकर स्वच्छता में अपनी पंचायत को नम्बर वन बना सकते हैं। समय पर स्वच्छता कर, सम्पत्ति कर एवं जल कर का भुगतान करें। इन सभी कार्यों से पंचायत को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो पौधरोपण किया, उसकी सुरक्षा और हमें मिलने वाले जल के प्रबंधन की जिम्मेदारी भी हमारी है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बतायें और नशे से उन्हें बचायें। सरकार ने हमें कई तरह की सुविधायें दी हैं, लेकिन इसका सही उपयोग करना हैं, जिससे बच्चों का भविष्य व स्वास्थ्य बेहतर हो।आज स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का अंतिम दिन है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर हुई। इस वर्ष इसकी थीम स्वभाव स्वच्छता,संस्कार स्वच्छता है।हमें अपने वैयक्तिक एवं आंतरिक स्वच्छता पर ध्यान रखना होगा। अपनी आदतों में सुधार करना होगा। स्वच्छता अभियान अब एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुका है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि गांधी जी ने स्वावलंबन का पाठ सिखाया है। उन्होंने अपना स्वच्छता का कार्य कभी बंद नहीं किया। आप सभी स्वच्छता के प्रति जागरूक हो एवं अन्य लोगों को भी जागरूक करें।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन, बुजुर्गों का शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान

विदिशा (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग विदिशा द्वारा श्री हरि वृद्धाश्रम विदिशा में 01 अक्टूबर 2024 को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन किया गया। श्रीहरि वृद्धाश्रम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री मुकेश टंडन ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा हमारी संस्कृति है , इस संस्कृति में बुजुर्गो का निरंतर सम्मान करने की शिक्षा दी जाती है, बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं उन्हे संभालना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने कहाकि बुजुर्गों के हित में शासन द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही है, जिसका लाभ समाज के हर वर्ग के बुजुर्गों को दिया जा रहा है। उन्होंने जल्द ही आयुष्मान भारत के पात्र बुजुर्गो को लाभ दिलाने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चैवे ने बुजुर्गो को उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराया। कार्यक्रम में नगर पालिका सांसद प्रतिनिधि श्री राकेश शर्मा द्वारा बुजुर्गो को अनुभवो की खान बताया वही जिला पंचायत में सांसद प्रतिनिधि श्री कैलाश रघुवंशी ने सभी बुजुर्गो को नगद राशि भेंट करसम्मानित किया। सभी अतिथियों ने 101 वर्षीय श्रीमति गुलाब बाई, 102 वर्षीय श्री तुलसीराम एवं 105 वर्षीय श्री अब्दुल कादिर का शाल श्रीफल से सम्मान किया एवं सभी बुजुर्गो का पुष्प मालाओं एवं श्रीफल से सम्मान किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी 150 बुजुर्गो का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के समापन पर छात्र छात्राओं के साथ श्रेष्ठ कार्य करने वाले कर्मचारी सम्मानित

सुबह सवेरे सोहागपुर

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का समापन कार्यक्रम नगर पंचायत परिषद सभाकक्ष में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटैल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।इस अवसर पर शासन के निर्देशानुसार दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए जा स्वच्छता समारोह एवं नगर की शालाओं में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरुस्कार प्रदान करके सम्मानित किया गया। स्वच्छता प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी शासकीय कन्या शाला की छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार नगर पंचायत परिषद अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटैल एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी राकेश मिश्रा ने सम्मानित किया गया । इसी क्रम में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के पश्चात जनप्रतिनिधियों ने नगर पंचायत परिषद के समस्त कर्मचारियों के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत अटल पार्क में पौधारोपण किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटेल,अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेल, उपयंत्री आर.जी. चौबे, अमित परसाई,संजय परसाई,प्रदीप दुबे, ओमप्रकाश दुबे,दयाशंकर कुर्मी,सरला सनकत,रजनी ठाकुर, संजय पचौरी, एच.एल.परते, अशोक कुशवाहा,नीरज मलैया,खेल समन्वयक चंदा मिश्रा सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. शास्त्री को जयंती पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर ओल्ड विधानसभा चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से अपने भाव व्यक्त करते हुए लिखा है कि 'जय जवान, जय किसान का नारा' देकर भारत को एक नयी शक्ति एवं ऊर्जा से भर देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय शास्त्री , राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए अंतिम सांस तक एक निष्काम कर्मयोगी की भांति कार्यरत रहे। आपके ओजस्वी विचार और आदर्श जीवन सदैव भावी पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

ओपीएस की मांग को लेकर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

बोले-एनपीएस-यूपीएस से बुढ़ापा सुरक्षित नहीं, सरकार मांग पूरी करे

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर भोपाल में कर्मचारियों ने एक बार फिर ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग की है। शहर के एक रेस्टोरेंट

में इकट्ठा हुए कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि नेशनल पेंशन स्कीम और यूनिफाइड पेंशन स्कीम से बुढ़ापा सुरक्षित नहीं है। 50 हजार रुपए वेतन प्राप्त करने वाले कर्मचारी को कम से कम 25 हजार रुपए की तो पेंशन जरूरी है और यह ओपीएस से ही संभव है।

कर्मचारियों ने नारेबाजी की और केंद्र एवं राज्य सरकार से कर्मचारी हित में निर्णय लेते हुए पुरानी पेंशन फिर से लागू करने की मांग की। इस मौके पर कर्मचारी नेता अजय श्रीवास्तव, अनिल बाजपेई, अरुण वर्मा, मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, निहाल सिंह जाट, प्रभात पांडे, राम कुंडल सेन, मनोज सेन, प्रभात पांडे, अभिलेख जैन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

क्वाड टॉर्क 2024 नेशनल एटीवी चैंपियनशिप में ब्रह्मास्त्र बनी चैंपियन

सिस्टेक रातीबड़ में एटीवी डिजाइन, फैब्रिकेशन और रेसिंग चैंपियनशिप का समापन

भोपाल (नप्र)। सिस्टेक रातीबड़ के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर एटीवी डिजाइन, फैब्रिकेशन और रेसिंग चैंपियनशिप क्वाड टॉर्क 10वें संस्करण का आज उत्साह व रोमांचक टास्क और चैलेंज के साथ समापन हुआ। जिसमें नासिक महाराष्ट्र की टीम ब्रह्मास्त्र ने चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। क्वाड टॉर्क के तीसरे और चौथे दिन में एंड्योरेंस राउंड हुए जबकि अंतिम दिन में रेसिंग चैंपियनशिप हुई। क्वाड टॉर्क के तीसरे और चौथे दिन में एंड्योरेंस राउंड हुए जबकि अंतिम दिन में रेसिंग चैंपियनशिप हुई।

नवरात्रि मेले में दुकान के बोर्ड पर लिखना होगा नाम

रतलाम नगर निगम के फैसले पर शहर काजी को आपत्ति, बोले-सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

रतलाम (नप्र)। रतलाम नगर निगम इन दिनों उत्तर प्रदेश सरकार की राह पर है। निगम ने आदेश पारित किया है कि इस बार नवरात्रि मेले में दुकान लगाने वाले व्यापारियों को बोर्ड पर अपने नाम के साथ दुकान चलाने वाले का नाम भी लिखना होगा। नगर निगम की राजस्व समिति के इस फैसले को लेकर विरोध के सुर भी उठने लगे हैं। मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहा है। दरअसल, रतलाम के कालिका माता मंदिर में नवरात्रि पर 9 दिवसीय गरबा रास होता है। यहां बड़ी संख्या में लोग आते हैं। इस बार मंदिर में 3 से 12 अक्टूबर तक दस दिवसीय नवरात्रि मेला लगेगा। मध्यप्रदेश ही नहीं, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और गुजरात के व्यापारी यहां दुकान लगाते रहे हैं। ऐसा पहली बार है कि दुकानदारों के लिए अपने नाम का बोर्ड लगाना अनिवार्य किया गया है। नगर निगम के इस फैसले को शहर काजी सैयद आसिफ ने तुगलकी फरमान बताया है। उन्होंने कहा, ऐसा फैसला यूपी में योगी सरकार ने भी लिया था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत रतलाम नगर निगम से ऑर्डर कॉपी मांगी गई है।

प्रदेश में 7 लोग नदी में डूबे

सीहोर में मामा-भांजे, ओंकारेश्वर में मौसी-भांजी की मौत; खरगोन में तीन बच्चियां डूबीं

सीहोर (अमलाह) (नप्र)। सीहोर की पार्वती और अजनाल नदी के संगम में बुधवार सुबह 5 लोग डूबने लगे। इनमें से तीन को बचा लिया गया। एक का शव 6 घंटे के बाद मिला, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। दोनों रिश्ते में मामा-भांजे हैं। इधर, खंडवा के ओंकारेश्वर में मौसी-भांजी की डूबने से मौत हो गई। वहीं, खरगोन की चोरल नदी में तीन बच्चियां डूब गईं। इनमें दो सगी बहनें थीं।

सीहोर में हादसा ग्राम पंचायत अमलाहा के पास देहरी घाट पर आज सुबह करीब 8 बजे हुआ। पांचों युवक पितृमोक्ष अमावस्या पर स्नान के लिए नदी में उतरे थे। इसी दौरान गहराई में चले गए। ये सभी आपस में रिश्तेदार हैं। कालापीपल के रहने वाले कृपाल मेवाड़ा (30) का शव दोपहर 2 बजे तक मिल गया। उसका भांजा बीरबल मेवाड़ा (19) लापता है। बचाए गए तीन लोगों को कालापीपल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम नदी में मामा-भांजे की तलाश कर रही है।

दो जिलों की सीमा पर स्थित है देहरी घाट- पार्वती नदी का देहरी घाट दो जिलों की सीमा पर स्थित है। नदी के एक तरफ शाजापुर जिला और दूसरी तरफ सीहोर जिला लगता है। पितृमोक्ष अमावस्या को लेकर बुधवार सुबह से ही देहरी घाट पर काफी भीड़ थी। करीब 50 गांवों के लोग यहां स्नान करने पहुंचे हैं। अमलाहा पुलिस चौकी प्रभारी अजय जोझा, मंडी थाना, आष्टा थाना और कालापीपल थाना पुलिस मौके पर है। विधायक घनश्याम चंद्रवंशी भी मौजूद हैं। घाट पर मौजूद लोगों को किनारे पर रहकर ही स्नान करने की हिदायत दी जा रही है।

पितृ मोक्ष अमावस्या पर देहरी घाट पर लगता है मेला- देहरी घाट पर हर अमावस्या पर बड़ी संख्या में ग्रामीण स्नान करने आते हैं। पितृ मोक्ष अमावस्या पर यहां मेला लगता है। ग्रामीण क्षेत्रों में जो पूर्वजों की अस्थियों को उज्जैन या इलाहाबाद लेकर नहीं जा पाते, वे पार्वती और अजनाल नदी के संगम में अस्थियां विसर्जित कर देते हैं।

ओंकारेश्वर में मौसी-भांजी की डूबने से मौत

खंडवा के ओंकारेश्वर में स्नान के दौरान महिला और उसकी भांजी डूब गईं। महिला के शव को बाहर निकाल लिया गया है। जबकि 18 साल की भांजी लापता है। गोताखोर उसकी तलाश कर रहे हैं।

घटना बिल्लोरा घाट की है। खरगोन के मक्सी से पाटीदार परिवार पितृमोक्ष अमावस्या पर ओंकारेश्वर आया था। रेनुबाई (40) पति संजय पाटीदार के साथ बिल्लोरा घाट पर स्नान कर रही थी। उनके साथ रेनुबाई की बहन की बेटी लल्ली, रिश्तेदार मनीष पाटीदार, सुनीता पाटीदार और 8 साल का बच्चा अविश भी मौजूद था। इसी दौरान रेनुबाई का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। उसे बचाने के लिए लल्ली भी छलांग लगा दी, लेकिन वह पानी के तेज बहाव में बह गई।

खरगोन की चोरल नदी में तीन बच्चियां डूबीं

खरगोन की चोरल नदी में तीन बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। इनमें दो सगी बहनें थीं। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बच्चियों को बाहर निकाला और अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

जिले के कुंडिया गांव में मीनाक्षी (12), अंशिका (10) और करिश्मा (14) संझा माता विसर्जन के लिए चोरल नदी किनारे गई थीं। एक बच्ची का पैर फिसल गया। उसे बचाने में दोनों बच्चियां भी डूब गईं। मीनाक्षी और अंशिका सगी बहनें थीं।

भोपाल की नेहा दक्षिण कोरिया में करेंगी म.प्र.का प्रतिनिधित्व

मिसेज यूनिवर्स-2024 में ले रहीं हिस्सा, प्रदेश की जरी जरदोजी को करेंगी प्रमोट

भोपाल (नप्र)। भोपाल की नेहा तिवारी मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए दक्षिण कोरिया जा रही हैं। वह मिसेज यूनिवर्स 2024 प्रतियोगिता का आयोजन 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर के बीच होगा। इससे पहले, नेहा ने मिसेज सेंट्रल इंडिया (सिल्वर कैटेगरी) और मिसेज इंडियन ओशन का खिताब जीता है।

नेहा ने बताया- यहां तक पहुंचने के लिए मैंने कड़ी मेहनत की है। दो बच्चों की मां होते हुए भी अपनी जिम्मेदारियों के साथ सपनों को हासिल करने की दिशा में प्रयास किए हैं। मैं वहां पर मध्यप्रदेश का खास वर्क जरी-जरदोजी और भोपाल के बटुओं को प्रमोट करूंगी। बता दें, नेहा को इस प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करने के लिए मिसेज यूनिवर्स की राष्ट्रीय निदेशक फराह अनवर ने इसकी जानकारी दी।

नेशनल कॉस्ट्यूम राउंड में चंद्रयान- नेहा इस इवेंट में नेशनल कास्टयूम राउंड में एक खास गाउन पहनने वाली हैं। इस गाउन को एक चांद का लुक दिया है। इसमें पीछेएक इसरो का चंद्रयान बना है। इसके अलावा इसमें कई सारे साइंटिस्ट के फोटो भी लगाए गए हैं। इसे अल्पा रावल ने डिजाइन किया है। इस पर जरी जरदोजी का काम किया है।

जरी जरदोजी के बारे में- जरी मुख्य रूप से सिलाई से जुड़ी है, जबकि जरदोजी में ज्यादातर कढ़ाई होती है। जरीके लिए धातु के धागों का इस्तेमाल किया जाता है, जबकि जरदोजी में सोने और चांदी के धागों का इस्तेमाल होता है। जरी जरदोजी कढ़ाई की एक शैली है, जो 12वीं सदी में मध्य एशिया से भारत आई थी। यह खूबसूरत और शानदार शिल्पकला है। इस कला को रईस और शौकीन वर्ग के लोग काफी पसंद करते थे। आज के समय में, यह फिर से मशहूर हो रहा है। साथ ही, शादियों और फैशन रैंप के लिए इसे काफी पसंद किया जाता है। जरी जरदोजी कढ़ाई का काम मुलायम कपड़े, जरी वाले कपड़े और रेशमी कपड़ों पर किया जाता है। इसके लिए गोल्डन थ्रेड, मोतियों और सुनहरे सितारों का इस्तेमाल किया जाता है।

देव स्थान पर रखी मूर्ति पर यूरिन किया, पैर रखा

लोगों ने शुद्धिकरण के लिए नदी में डाली मूर्ति, आक्रोशित गांव वाले धरने पर बैठे

रीवा (नप्र)। रीवा में माता की प्राचीन मूर्ति पर एक बदमाश ने यूरीन कर दी। मूर्ति को जमीन पर पटका। उस पर पैर रख दिया। फिर कुछ दूर ले जाकर फेंक दिया। इस घटना को गांव की महिला ने देखा। जब उसने गांव के लोगों को बताया तो आक्रोश फैल गया। गांव के सरपंच ने मूर्ति को शुद्धिकरण के लिए तमस नदी में डलवा दिया। घटना मंगलवार शाम करीब 5 बजे त्योंथर जनपद पंचायत के शंकरपुर गांव की है। बुधवार सुबह नई गढ़ी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। इधर, इस घटना के बाद गांव के लोग मंदिर के पास धरने पर बैठ गए। आरोपी का नाम हिंचलाल साकेत है। वह पास के ही गांव का रहने वाला है और आपराधिक प्रवृत्ति का है। आक्रोशित लोग उसे गिरफ्तार कर उस पर एनएसए की कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। दोपहर करीब 3 बजे मौके पर त्योंथर एसडीएम संजय जैन भी पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी ली और लोगों को समझाया।

कुलदेवी के रूप में करते हैं मां जालपा देवी की पूजा- रीवा जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर त्योंथर क्षेत्र के शंकरपुर गांव में चौराहे पर चबूतरा बना है। यहां जालपा माता की मूर्ति स्थापित है। लोग कुलदेवी के रूप में पूजा करते हैं। यहां बच्चों का मुंडन, कनछेदन करवाने आते हैं। चबूतरे पर हनुमान जी और शिवलिंग भी स्थापित है। गांव की रहने वाली प्रत्यक्षदर्शी महिला ने बताया, 'मंगलवार शाम करीब 5 बजे मंदिर के पास गुजर रही थी।

स्वच्छता दिवस कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी रही आकर्षण का केन्द्र

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में हुए स्वच्छता कार्यक्रम में लगाई गई प्रदर्शनी, स्वच्छता उपकरण और ट्रिपल-आर ऑन व्हील आकर्षण का केन्द्र रहे। स्वच्छता दिवस का कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने नगर निगम भोपाल के सफाई कार्य में लगे उपकरण, ट्रिपल-आर ऑन व्हील और अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग कर बनाई गई सामग्री का अवलोकन किया।

ट्रिपल-आर ऑन व्हील- कार्यक्रम स्थल पर ट्रिपल-आर ऑन व्हील पर वस्तुएं प्रदर्शित की गई थी। इस वाहन पर रेखा खरे, विशाखा सिलाई मशीन के साथ बैठी थीं। उन्होंने बताया कि अब तक ट्रिपल-आर अर्थात रि-ड्यूस, रि-यूज और रि-सायकल के तीन केन्द्र भोपाल के बोट क्लब, 10 नम्बर बस स्टॉप और विट्ठल मार्केट पर निरंतर संचालित हो रहे हैं। नगर निगम भोपाल में अब इस सुविधा को वाहन के साथ चलित सेवा बना दिया है। रेखा बताती हैं कि चलित वाहन के जरिये जन-सामान्य को पॉलिथिन के उपयोग न करने की समझाइश दी जायेगी और जन-सामान्य द्वारा दी जाने वाली अनुपयोगी कपड़ों से थैले बनाकर दिये जायेंगे। रेखा बताती हैं कि बेकार इलेक्ट्रिक सामान और वैज्ञानिक तरीके से अलग-अलग कचरे को संग्रहण किये जाने की व्यवस्था है। इसके साथ ही अन्य बेकार सामग्री से कॉपी-किताबों के कवर और डेकोरेशन की सामग्री तैयार की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसकी प्रशंसा की।

पीएम स्व-निधि से तैयार वस्तुओं का प्रदर्शन

कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर पीएम स्व-निधि योजना से लाभान्वित स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने वस्तुओं का प्रदर्शन किया। सुश्री प्रीति राव ने भोपाल की प्राचीन कारीगरी से तैयार जरदोजी सामग्री का प्रदर्शन किया। वे बताती हैं कि यह काम सारे हिन्दुस्तान में प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया कि उनके समूह ने 'वन प्रोडक्ट - वन रेलवे स्टेशन' कार्यक्रम में भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन पर स्टॉल लगाया है। स्टॉल पर प्रदर्शित जरदोजी सामग्री को यात्रियों द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। इनके साथ ही अन्य स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने आर्टिफिशियल ज्वैलरी, फूड आइटम और हैण्डलूम कपड़ों का प्रदर्शन किया। आज प्रदेश में बड़ी संख्या में महिलाएं स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने को आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर बना रहीं हैं। प्रदर्शनी स्थल पर नारियल जूट से तैयार सामग्री का भी प्रदर्शन किया गया।

सुश्री अरूणा सिंह स्टार्ट-अप कंपनी से बना रही हैं खिलौने

प्रदर्शनी स्थल पर सुश्री अरूणा सिंह भी मौजूद थीं। उन्होंने बताया कि उनकी स्टार्ट-अप कंपनी भोपाल में बच्चों को ईको फ्रेंडली खिलौने उपलब्ध करा रही है। उनकी कंपनी में 20 लोगों को रोजगार मिला हुआ है। उनके ज्यादातर खिलौने लकड़ी से ही तैयार होते हैं। इनमें प्लास्टिक का उपयोग नहीं होता है। वे बताती हैं कि खिलौनों के माध्यम से बच्चों को अक्षर ज्ञान, भौगोलिक ज्ञान के लिये नक्शे एवं दिमागी कसरत के अनेक खिलौने बनाती हैं। उन्होंने जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से इंजीनियरिंग की है। सुश्री अरूणा स्वयं का व्यवसाय करना चाहती थीं इसलिये उन्होंने स्टार्ट-अप कंपनी शुरू करने का विचार बनाया और अब सफलतापूर्वक कंपनी का संचालन कर रही हैं।

म.प्र.से मानसून की विदाई शुरू, ग्वालियर-चंबल से निकला

जुलाई-अगस्त के बाद सितंबर में भी खूब बरसा; अक्टूबर में बारिश, सर्दी-गर्मी का ट्रेंड

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। बुधवार को मौसम विभाग ने ग्वालियर और चंबल संभाग से मानसून की विदाई की घोषणा कर दी। सीनियर मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने कहा कि ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी और श्योपुर से मानसून विदा हो गया है।

मध्यप्रदेश में जुलाई-अगस्त के बाद सितंबर में भी मानसून इस बार जमकर बरसा। सामान्य 7.5 इंच के मुकाबले 9.5 इंच बारिश हो गई। ग्वालियर में पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर में भी अच्छी बारिश हुई। अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में मानसून विदा हो जाता है। इस महीने सर्दी-गर्मी के साथ बारिश का भी ट्रेंड है। कई जिलों में 2 से 5 इंच तक बारिश हो जाती है।

मानसून की ओवरऑल तस्वीर पर नजर डालें तो एमपी में 37.3 इंच की बजाय 44.1 इंच बारिश हो चुकी है, जो 18 प्रतिशत ज्यादा है। भोपाल, ग्वालियर समेत 44 जिले तो ऐसे हैं, जहां सामान्य से 99 प्रतिशत तक ज्यादा पानी गिरा। श्योपुर में दोगुनी बारिश हुई है।

21 जून को एंटर हुआ था मानसून

एमपी में 15 जून तक मानसून दस्तक दे देता है। इस साल यह 21 जून को आया और 27 जून तक पूरे प्रदेश में छा गया। इससे पहले प्री-मानसून भी एक्टिव रहा। जून में भी कोटे के बराबर बारिश हुई थी, लेकिन जुलाई में कोटे से ज्यादा पानी गिर गया। ऐसा ही अगस्त-सितंबर में भी रहा।

अब तक की स्थिति में 18त्न बारिश अधिक हुई है। पश्चिमी हिस्से की स्थिति बेहतर है, जबकि सितंबर में लगातार बारिश होने से पूर्वी हिस्सा भी पानी-पानी हो गया।

सितंबर में स्ट्रॉन्ग बारिश के चार दौर

सितंबर में स्ट्रॉन्ग बारिश के चार ऐसे दौर आए, जब लगातार 4 से 5 दिन तक प्रदेश में बारिश हुई। राज्य के पूर्वी हिस्से में तो बाढ़ के हालात बन गए और कई गांवों से सैकड़ों लोगों को रेस्क्यू करना पड़ा। सितंबर के जाते-जाते भी कई जिलों में बारिश का दौर चला। इस वजह से वे जिले भी आगे निकल गए, जहां सूखे जैसे हालात बन रहे थे। मानसून ट्रफ, लो प्रेशर एरिया, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और सायसर की एक्टिविटी की वजह से ऐसा हुआ।

इस बार जुलाई और अगस्त में 75 प्रतिशत तक पानी गिर गया। जुलाई में 14.27 इंच बारिश हुई। यह कोटे से 1.78 इंच ज्यादा रही। अगस्त में 14.50 इंच बारिश हुई, जो डेढ़ इंच अधिक रही। बची कसर सितंबर ने न सिर्फ पूरी की, बल्कि 18 प्रतिशत तक ज्यादा पानी बरस गया। सितंबर में बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से प्रदेश के 200 से अधिक डैम के गेट खोले गए। भोपाल में भदभदा डैम के 10 बार गेट खुल चुके हैं।

महाकाल मंदिर समेत म.प्र.-राजस्थान के रेल्वे स्टेशनों को उड़ाने की धमकी

हनुमानगढ़ स्टेशन सुपरिटेंडेंट को लेटर लिखा- जिहादियों की मौत का बदला लेंगे

उज्जैन (नप्र)। मध्य प्रदेश के महाकाल मंदिर समेत कुछ रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। राजस्थान में हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन सुपरिटेंडेंट को धमकी भरा पत्र मिला है। इसमें मध्य प्रदेश-राजस्थान के रेलवे स्टेशन, महाकाल मंदिर समेत धार्मिक स्थलों में विस्फोट करने की बात लिखी है। धमकी देने वाले ने खुद को जैश-ए-मोहम्मद का जम्मू-कश्मीर एरिया कमांडर मोहम्मद सलीम अंसारी बताया है।

उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि मीडिया के जरिए सूचना मिली है। हम सतर्कता बरत रहे हैं। राजस्थान पुलिस से संपर्क कर कार्रवाई की जाएगी। महाकाल मंदिर के आसपास पुलिस ने डॉग स्क्वॉड के साथ सर्चिंग शुरू कर दी है।

लेटर हाथ से लिखा गया लेटर, लिफाफे पर 30 सितंबर की सील- राजस्थान के हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन सुपरिटेंडेंट नागेंद्र सिंह को मंगलवार शाम को पीले रंग का लिफाफा मिला। पत्र डिप्टी सुपरिटेंडेंट जगत नारायण के नाम से था। स्टेशन सुपरिटेंडेंट ने लेटर खोला तो गोल मुहर में पोस्ट ऑफिस कोड 14440 और पंजाबी में कुछ लिखा मिला। लेटर पर हनुमानगढ़ पोस्ट ऑफिस की 30 सितंबर की मुहर है। लेटर हाथ से लिखा गया है। लेटर भेजने वाले ने खुद को जैश-ए-मोहम्मद का एरिया कमांडर मोहम्मद सलीम अंसारी बताया है।

स्टेशन सुपरिटेंडेंट बोले- पत्र जीआरपी को सौंपा- हनुमानगढ़ स्टेशन सुपरिटेंडेंट नागेंद्र सिंह ने बताया- पत्र में राजस्थान और मध्य प्रदेश को खून से रंगने की बात लिखी थी। पत्र जीआरपी को सौंप दिया है। इसमें जम्मू-कश्मीर में जिहादियों की हत्या का बदला लेने के लिए स्टेशनों और उज्जैन महाकाल को बम से उड़ाने की धमकी लिखी है। लेटर में लिखा है-

हे खुदा मुझे माफ कर, जम्मू-कश्मीर में मारे जा रहे हमारे जिहादियों की मौत का बदला जरूर लेंगे। हम ठीक 30 अक्टूबर को जयपुर, जोधपुर, अलवर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, बूंदी, उदयपुर, बीकानेर, जयपुर मंडल, मध्य प्रदेश के भी रेलवे स्टेशन, 2 नवम्बर को उज्जैन महाकाल मंदिर, जयपुर के कई धार्मिक स्थानों, रेलवे स्टेशन और सैन्य अड्डों को बम से उड़ा देंगे।